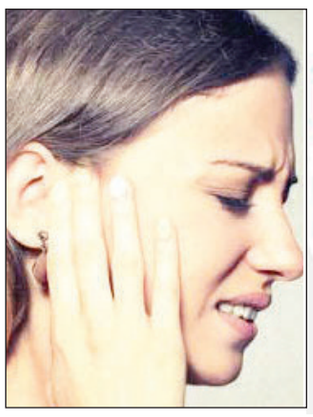

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

कानों पर आने वाले बालों को कैसे करें साफ?.... पेज: 7

हॉलीवुड स्टार से बेटी की तुलना पर खुश होती हैं महिमा चौधरी पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 68 | मंगलवार 09 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

इंडिया ब्लॉक सिर्फ कमियां छिपाने का माध्यम: चिराग पासवान का बड़ा हमला, कहा- 'सत्ता के लिए समझौता'

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (आरवी) के प्रमुख चिराग पासवान ने सोमवार को कांग्रेस के साथ मतभेदों के बावजूद तृणमूल कांग्रेस, वामपंथी दलों और अन्य कई दलों की इंडिया ब्लॉक की बैठक में उपस्थिति पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि यह दशार्ता है कि गठबंधन एक-दूसरे की कमियों को छिपाने का माध्यम है। पत्रकारों से बात करते हुए पासवान ने कहा कि टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के बैठक में शामिल होने पर उन्हें आश्चर्य हुआ है। चिराग ने पश्चिम बंगाल चुनाव प्रचार के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा ममता बनर्जी की आलोचना का जिक्र किया। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस ने सत्ता के लिए अपने सहयोगी द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम को धोखा दिया और इंडिया ब्लॉक में कथित दरारें यह दशार्ती हैं

पीएमएसएमए के 10 साल पूरे, जेपी नड्डा जारी करेंगे 75 का विशेष सिक्का और डाक टिकट

नड्डा द्वारा एक विशेष 75 का स्मारक सिक्का और एक 5.....

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा करेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के दस साल पूरे होने के उपलक्ष्य में केंद्रीय मंत्री नड्डा द्वारा एक विशेष 75 का स्मारक सिक्का और एक 5 का डाक टिकट जारी किया जाएगा।

नई दिल्ली एजेंसी: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय मंगलवार से राष्ट्रव्यापी समारोहों का शुभारंभ करेगा, जो "पीएमएसएमए के 10 वर्ष - देखभाल का एक दशक" का जश्न मनाएंगे। ये समारोह प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के सफल कार्यान्वयन के एक दशक को चिह्नित करते हैं, जो भारत की प्रमुख पहलों में से एक है जिसका उद्देश्य सुरक्षित गर्भावस्था और स्वस्थ मातृत्व सुनिश्चित करना है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा करेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के दस साल पूरे होने के उपलक्ष्य में केंद्रीय मंत्री नड्डा द्वारा एक विशेष ड्ड75 का स्मारक सिक्का और एक ड्ड5 का डाक टिकट जारी किया जाएगा। इस अभियान ने देश भर में सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देने और मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 9 जून, 2016 को शुरू की गई इस योजना ने गर्भवती महिलाओं को हर महीने की 9 तारीख को मुफ्त, व्यापक और गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) सेवाएं प्रदान करके मातृ एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। उत्कृष्टता के एक दशक (2016-26) को चिह्नित करते हुए, पीएमएसएमए भारत सरकार की प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य (आरएमएनएचए) रणनीति के तहत निरंतर देखभाल दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) की गुणवत्ता, कवरेज, निदान और परामर्श सेवाओं को बदलने के लिए समर्पित है, जिससे करोड़ों परिवारों पर प्रभाव पड़ता है और देश के मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) में उल्लेखनीय कमी आती है। इस समारोह के अंतर्गत, गर्भवती महिलाओं और उनके परिवारों को पीएमएसएमए के तहत उपलब्ध नौ सुनिश्चित निःशुल्क सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करने और समय पर और गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व देखभाल के महत्व को बढ़ावा देने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जागरूकता और प्रचार गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। यह कार्यक्रम निजी क्षेत्र के साथ जुड़ाव के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाता है, जिसमें निजी चिकित्सकों को अभियान में स्वेच्छा से भाग लेने के लिए प्रेरित करना, जागरूकता फैलाने की रणनीतियों को विकसित करने में सहायता करना और सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर अभियान में भाग लेना शामिल है। पीएमएसएमए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य और पोषण (आरएमएनसीएएच+एन) रणनीति के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप है। इस योजना के मुख्य उद्देश्यों में यह सुनिश्चित करना शामिल है कि प्रत्येक गर्भवती महिला को दूसरी या तीसरी तिमाही के दौरान कम से कम एक बार किसी चिकित्सक/विशेषज्ञ द्वारा जांच मिले, प्रसवपूर्व जांच के दौरान देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करना, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं (एचआरपी) की प्रारंभिक अवस्था में पहचान और प्रबंधन करना, प्रत्येक गर्भवती महिला के लिए उचित प्रसव योजना और जटिलताओं के लिए तैयारी करना, कुपोषण से ग्रस्त महिलाओं का उचित प्रबंधन सुनिश्चित करना और किशोर और प्रारंभिक गर्भावस्थाओं पर विशेष ध्यान देना शामिल है।

राजनीतिक रूप से कमजोर पड़ चुकीं ममता बनर्जी विपक्षी भारत गठबंधन को कितना मजबूत कर पाएँगी?

नई दिल्ली एजेंसी: मोदी विरोधी विपक्षी इंडिया गठबंधन को ताकत देने के उद्देश्य से उसकी बैठक में शामिल हुईं ममता बनर्जी को तब एक और बड़ा झटका लगा जब इंडिया गठबंधन की बैठक के समानांतर तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों ने अलग से बैठक कर टीएमसी से अलग होने और नया गुट बनाने का फैसला कर लिया। यही नहीं, टीएमसी के कई सांसदों ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से भी मुलाकात की और इस दौरान पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी उपस्थित रहे। इन घटनाक्रमों ने राष्ट्रीय राजनीति में भारी हलचल पैदा कर दी है और ममता बनर्जी के नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। देखा जाये तो पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में करारी हार के

बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर शुरू हुआ असंतोष अब खुलकर सामने आने लगा है। पहले यह राजनीतिक संकट कोलकाता तक सीमित माना जा रहा था, लेकिन अब इसका केंद्र दिल्ली बन गया है। सूत्रों के अनुसार तृणमूल कांग्रेस के 28 लोकसभा सांसदों में से करीब 20 सांसद दिल्ली के एक गुप्त स्थान पर जुटे हुए हैं और पार्टी नेतृत्व के खिलाफ रणनीति बना रहे हैं। यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी इंडिया गठबंधन की बैठक में हिस्सा लेने दिल्ली पहुंचे हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक बागी सांसद दो बड़े विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। पहला, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर खुद को अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाली संसदीय इकाई से अलग एक स्वतंत्र गुट के रूप में मान्यता दिलाने का प्रयास करना। दूसरा विकल्प सामूहिक इस्तीफे का है। यदि इनमें से किसी भी योजना को अमल में लाया जाता है तो यह ममता बनर्जी के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बहुत बड़ा राजनीतिक झटका माना जाएगा। माना जा रहा है कि मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के दिल्ली आने पर टीएमसी के बागी सांसद उनसे मुलाकात कर सकते हैं। हालांकि ममता बनर्जी के करीबी सूत्रों का दावा है कि बागी खेमे में 20 सांसद नहीं हैं। उनका कहना है कि यदि संख्या पर्याप्त नहीं हुई तो बागी सांसदों पर दल बदल विरोधी कानून लागू हो सकता है। इसके बावजूद पार्टी के भीतर बढ़ती नाराजगी को लेकर चिंता गहराती जा रही है। दिलचस्प बात यह है

नितिन गडकरी की बड़ी घोषणा: सड़क दुर्घटना पीड़ितों को बचाने वाले 'रहवीरों' को मिलेगा 25,000 का इनाम

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 8 जून को भारत में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के उद्देश्य से दो नई पहलों की घोषणा की, जिनमें आपातकालीन स्थिति में सबसे पहले पहुंचने वाले नागरिकों के लिए वित्तीय प्रोत्साहन भी शामिल है। इन उपायों के बारे में बताते हुए गडकरी ने कहा कि हमने दो योजनाएं शुरू की हैं। एम्स के एक डॉक्टर की अध्यक्षता वाली एक समिति ने रिपोर्ट दी है कि हमारे देश में प्रतिवर्ष 180,000 मौतें और 500,000 दुर्घटनाएं होती हैं। इन दुर्घटना पीड़ितों में से 30% को अगर तुरंत अस्पताल ले जाया जाए तो बचाया जा सकता है, यानी 50,000 जानें। त्वरित जन सहायता को प्रोत्साहित करने के

लिए, मंत्रालय ने रहवीर पहल शुरू की। गडकरी ने बताया कि यदि लोग इन 50,000 लोगों को अस्पताल पहुंचाने में मदद करते हैं, तो उनकी जान बचाई जा सकती है; हम ऐसे जीवनरक्षकों को रहवीर कहते हैं, और बचावकर्ता को 25,000 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सरकार आपातकालीन चिकित्सा देखभाल में आने वाली वित्तीय बाधाओं को दूर करेगी। मंत्री ने आगे कहा कि इसके बाद, सड़क के प्रकार की परवाह किए बिना चाहे वह राष्ट्रीय, जिला या नगरपालिका हो और जिस भी अस्पताल में पीड़ित को भर्ती कराया जाता है, हम सात दिनों तक के उपचार खर्च को तुरंत वहन करेंगे, अस्पताल के बिल का भुगतान अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक करेंगे। स्थिति की गंभीरता पर जोर देते हुए गडकरी ने कहा, मेरा मानना है कि ये योजनाएं एक महत्वपूर्ण मुद्दे का समाधान करती हैं, क्योंकि हमारे देश में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या विश्व स्तर पर सबसे अधिक है। यदि सभी सहयोग करें, तो हम अनगिनत जानें बचा सकते हैं। उन्होंने निजी क्षेत्र की भागीदारी का भी उल्लेख करते हुए कहा कि आज रैपिडो ने पहल की है और अपना समर्थन देने का वादा किया है।

अलग से, रेल मंत्रालय ने 6 जून को लुधियाना में नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्पेशल ट्रेन के एक स्लीपर कोच में दरार पाए जाने के बाद देशव्यापी सुरक्षा अभियान शुरू किया और इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) के सभी कोचों के व्यापक निरीक्षण के आदेश दिए। रेल मंत्रालय ने सभी जोन को निर्देश दिया है

भारत गठबंधन एकजुट! हैदराबाद में अगली बैठक, सरकार के खिलाफ नई रणनीति का रोडमैप

नई दिल्ली एजेंसी: विपक्षी इंडिया गठबंधन के कुछ शीर्ष नेताओं ने इसके घटक दलों के बीच उभरते मतभेदों के मद्देनजर कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में मुलाकात की। यह बैठक अब खत्म हो गई है। इस बैठक में कांग्रेस की सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे, तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव, आरजेडी के तेजस्वी यादव, नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला और पीडीपी की महबूबा मुफ्ती सहित कई विपक्षी नेताओं के साथ-साथ वामपंथी नेता भी उपस्थित थे। इंडिया ब्लॉक की बैठक के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि केंद्र सरकार को मौजूदा नाजुक आर्थिक स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, किसानों के मुद्दे और अन्य जन-केंद्रित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तुरंत सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। यह सहमति बनी कि सभी दल हर दो महीने में मिलेंगे... संसद समन्वय मानसून सत्र के दौरान विपक्ष

के नेता के कार्यालय में प्रतिदिन सुबह की बैठकों के साथ जारी रहेगा। खरगे ने कहा कि उद्धव ठाकरे जी और हेमंत सोरेन जी भी वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए और उन्होंने अपने विचार साझा किए। वे भी इन सभी मुद्दों पर सहमत हैं। उन्होंने कहा कि यह सहमति बनी कि इंडिया गठबंधन के सभी पक्ष हर दो महीने में मिलेंगे। अगली बैठक अगस्त में हैदराबाद में होगी। उन्होंने कहा कि देश के प्रधान न्यायाधीश को एसआईआर, चुनाव में वोट की लूट और चोरी के मुद्दे पर पत्र लिखने पर सहमति बनी। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि लाखों युवाओं के साथ विश्वासघात करने वाले केंद्रीय शिक्षा मंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग करने पर सर्वसम्मति से सहमति बनी। केंद्र को अर्थव्यवस्था की अस्थिर अवस्था, बेरोजगारी, महंगाई और किसानों के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तुरंत सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र के दौरान सुचारू समन्वय के लिए इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठकें जारी रहेंगी। खरगे ने कहा कि इंडिया गठबंधन के घटक दलों के नेताओं ने हर दो महीने में बैठक करने पर सहमति जताई है

पीएम मोदी का 'अंत्योदय' मिशन: 12 वर्ष में 'गरीब कल्याण' से आया जन सशक्तिकरण

नई दिल्ली एजेंसी: 7 जून को अपनी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के एक दिन बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस दौरान भारत में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं, और गरीबों और वंचितों का कल्याण सरकार के प्रयासों का केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने उल्लेखनीय परिवर्तन देखे हैं, और इन विकासों के मूल में गरीबों और वंचितों का कल्याण रहा है। अंत्योदय के सिद्धांत से प्रेरित होकर, हमारा निरंतर प्रयास रहा है कि विकास के लाभ उन लोगों तक पहुंचें जो दशकों से पीछे छूट गए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि जन धन खाते, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना, जल जीवन मिशन और आयुष्मान भारत सहित प्रमुख पहलों का उद्देश्य लोगों को सम्मान, अवसर और बेहतर जीवन स्तर प्रदान करना है। सोमवार को अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर उन्होंने कहा कि यह भी खुशी की बात है कि गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में प्रौद्योगिकी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सहायता सीधे और पारदर्शी तरीके से लोगों तक पहुंच रही है। इससे भ्रष्टाचार कम हुआ है, कार्यकुशलता बढ़ी है और शासन में विश्वास मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि इसी तरह गरीब कल्याण को आगे बढ़ाने की यात्रा मानव सशक्तिकरण और विकसित भारत के हमारे सपने को साकार करने की दिशा में एक सामूहिक आंदोलन बन गई है। केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर, भाजपा और एनडीए के नेताओं ने इस अवधि को "गरीब कल्याण" के लिए समर्पित बताया और गरीब कल्याण के 12 सालहैशटैग का इस्तेमाल किया। सरकारी प्रकाशन में कहा गया

अमित शाह ने लॉन्च करेंगे एलपीएमएस, भारत की 'स्मार्ट' सीमा सुरक्षा का नया युग, राष्ट्रीय सुरक्षा को मिलेगा बल

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मंगलवार को नई दिल्ली में लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (एलपीएमएस) का शुभारंभ करेंगे, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सीमा और आंतरिक सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है। यह पहल प्रौद्योगिकी-आधारित समाधानों के माध्यम से सीमा पार व्यापार और यात्री आवागमन में दक्षता, पारदर्शिता और सुरक्षा में सुधार करके स्मार्ट सीमा प्रबंधन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। इस कार्यक्रम के दौरान, केंद्रीय गृह मंत्री दावकी (मेघालय) और श्रीमंतपुर (त्रिपुरा) लैंड पोर्ट्स पर नव विकसित हितधारक आवास सुविधाओं का भी उद्घाटन करेंगे। इन सुविधाओं का उद्देश्य सीमा सुरक्षा कर्मियों और अन्य हितधारकों के लिए बुनियादी ढांचागत सहायता को मजबूत करना है। एलपीएमएस का शुभारंभ आधुनिक, प्रौद्योगिकी-आधारित स्मार्ट सीमा प्रबंधन प्रणाली

की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो व्यापार सुगमता, संपर्क, राष्ट्रीय सुरक्षा बढ़ाने और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के भारत के रणनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप है। एलपीएमएस एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसे भूमि बंदरगाहों के संचालन को एक एकीकृत प्रणाली में लाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह रसद और नियामक जानकारी के सुरक्षित, वास्तविक समय के आदान-प्रदान को सुगम बनाता है और इसका उद्देश्य भूमि बंदरगाहों को हवाई अड्डों और समुद्री बंदरगाहों पर संचालित डिजिटल प्रणालियों के अनुरूप लाना है। एक तटस्थ और खुले प्लेटफॉर्म के रूप में, एलपीएमएस सरकारी एजेंसियों और निजी संचालकों के बीच निर्बाध समन्वय को सक्षम बनाएगा, जिससे देरी कम होगी और परिचालन दक्षता में सुधार होगा। यह प्रणाली कार्गो और यात्री प्रसंस्करण के लिए संपूर्ण डिजिटल कार्यप्रवाह का समर्थन करती है, जिसमें स्लॉट बुकिंग, भुगतान, ट्रैकिंग और सिंगल-विंडो क्लीयरेंस शामिल हैं। यह और मोटर वाहन पारिस्थितिकी तंत्र जैसे राष्ट्रीय प्लेटफार्मों के साथ पूरी तरह से एकीकृत है

नीट-यूजी पेपर लीक पर इंडिया ब्लॉक का बड़ा एक्शन, सीजेआई को लिखेंगे खत, शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे ने सोमवार को कहा कि इंडिया ब्लॉक ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखने का फैसला किया है, जिसमें मतों की लूट और चुनावी धांधली का आरोप लगाया गया है। नई दिल्ली में विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों की एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए खर्गे ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश को जल्द से जल्द पत्र भेजने पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि एसआईआर, मतों की लूट और चुनाव में धांधली को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजने पर सहमति बनी है। यह पत्र जल्द ही भारत के मुख्य न्यायाधीश को सौंप दिया जाएगा। खरगे ने यह भी कहा कि इंडिया ब्लॉक ने सर्वसम्मति से केंद्रीय शिक्षा मंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग करने का संकल्प लिया है, क्योंकि उन पर नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को प्रभावित करने वाली कथित अनियमितताएं हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, "शिक्षा मंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग करने पर सर्वसम्मति से सहमति बनी है क्योंकि उन्होंने

नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में बैठने वाले लाखों युवाओं के साथ विश्वासघात किया है। कांग्रेस अध्यक्ष खर्गे ने युवा, संस्थागत अखंडता और एक सतत संयुक्त विपक्षी मोर्चे पर केंद्रित गठबंधन की

नई दिल्ली में विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों की एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए खर्गे ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश को जल्द से जल्द पत्र भेजने पर सहमति बनी है।

तत्काल कार्य योजना का विस्तृत विवरण दिया। खरगे ने आगे कहा कि गठबंधन के सहयोगी अब राष्ट्रीय राजनीति की समीक्षा और रणनीति समन्वय के लिए हर दो महीने में मिलेंगे। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक के नेताओं की अगली औपचारिक बैठक 8 अगस्त को तय की गई है और भविष्य की तिथियों का निर्णय समय-समय पर लिया जाएगा और सूचित किया जाएगा। संसद के मानसून सत्र से पहले गठबंधन अपनी विधायी रणनीति को भी मजबूत कर रहा है। गठबंधन के सभी सहयोगियों की रणनीति बैठकें विपक्ष के नेता (एलओपी) के कार्यालय में नियमित रूप से आयोजित की जाएंगी ताकि सत्ता पक्ष के खिलाफ दैनिक आधार पर एक एकजुट मोर्चा सुनिश्चित किया जा सके। केंद्र सरकार को मौजूदा नाजुक आर्थिक स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, किसानों के मुद्दे और अन्य जन-केंद्रित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तुरंत एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। यह सहमति बनी कि सभी दल हर दो महीने में मिलेंगे... मानसून सत्र के दौरान विपक्ष के नेता के कार्यालय में प्रतिदिन सुबह की बैठकों के साथ संसद समन्वय जारी रहेगा।

संपादकीय

प्रतिरोध के तेवर

मुख्य न्यायाधीश की कॉकरोच वाली टिप्पणी के प्रतिरोध में व्यंग्यात्मक रूप में अस्तित्व में आई कॉकरोच जनता पार्टी ने आखिरकार आभासी दुनिया से निकलकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर दस्तक दे ही दी। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के दिल्ली पहुंचने और हजारों युवाओं की भागीदारी के बाद शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ प्रदर्शन समाप्त हो गया। सीजेपी का आरोप है कि नीट परीक्षा रद्द होने के बाद कई छात्रों ने आत्महत्या की है। पिछले दिनों सीजेआई द्वारा 'फेक डिग्री वाले युवाओं' की तुलना कॉकरोच से करने के बाद ऑनलाइन व्यंग्यात्मक आंदोलन के जमीन पर उतरने और विपक्षी दलों के समर्थन ने निश्चय ही सरकार की चिंता बढ़ाई है। ऑनलाइन मूवमेंट को लाखों युवाओं का समर्थन मिलने के बाद सरकार ने पहले सख्ती भी दिखायी थी। जंतर-मंतर के प्रदर्शन के बाद अभिजीत दीपके ने सरकार को सात दिन का समय देने की बात कही। साथ ही इसे महज एक ट्रेलर बताया है। उनकी दलील थी कि यह पार्टी योजनाबद्ध नहीं, स्वतःस्फूर्त पार्टी है और सरकार से नाराज हर छात्र की आवाज बनेगी। पार्टी ने देश में युवाओं को रोजगार न मिलने का आरोप भी लगाया। पार्टी का मानना है कि सरकार शिक्षा व्यवस्था सुधारने में तो नाकाम रही ही है, लेकिन उन परीक्षाओं को भी पारदर्शी ढंग से आयोजित नहीं कर पा रही है, जो देश के लाखों युवाओं का भविष्य तय करते हैं। यह भी कि व्यवस्था की विफलता से लाखों युवाओं के सपने टूटे हैं, जो अब कॉकरोच को प्रतिरोध का प्रतीक बनाकर विरोध जता रहे हैं। राजनीति के पंडित जंतर-मंतर में सीजेपी को प्रदर्शन के लिये अनुमति दिए जाने पर हैरानी जता रहे हैं। उनका मानना है कि पड़ोसी देशों में जेन जी पर हुई सख्ती के बाद उग्र होने वाले आंदोलन सरकार को याद आए हैं, यही वजह है कि उसने कुछ उदारता बरती है। साथ ही यह भी कोशिश है कि देश के लाखों परिवारों से जुड़ा पेपर लीक का गुस्सा किसी तरह शांत हो जाए। यूं तो विषम आर्थिक परिस्थितियों में बेरोजगारी तो बढ़ी है, साथ ही रोजगार देने वाली व्यवस्था की विफलता देश के युवाओं को अशांत कर रही है। वे अपने भविष्य को लेकर खासे चिंतित हैं। इसीलिए शिक्षा और रोजगार देने वाली व्यवस्था का मुद्दा युवाओं को प्रभावित कर रहा है। विपक्षी राजनीतिक दल आरोप लगा रहे हैं कि यह आंदोलन युवा अशांति,जवाबदेही और असहमति की स्वतंत्रता का प्रतीक बन रहा है। तभी युवाओं ने हेय दृष्टि से देखे जाने वाले जीव कॉकरोच यानी तिलचट्टे को जीवटता के प्रतीक के रूप में परिभाषित किया है। यह बताने की कोशिश कि मुश्किल हालात में भी वे अपनी बात को रखते रहेंगे। युवाओं का मानना है कि पार्टी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अंकुश लगाना डिजिटल लोकतंत्र को नियंत्रित करने का प्रयास है। युवाओं की मांग है कि स्वस्थ लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त असहमति को शांतिपूर्ण ढंग से स्वीकार किया जाए। कहा जा रहा है कि कॉकरोच आंदोलन ने लोकतंत्र के सभी हितधारकों मसलन राजनीतिक वर्ग, नौकरशाही, न्यायपालिका तथा मीडिया को आत्मनिरीक्षण का मौका दिया है।

आत्मज्ञान के लिए पात्रता

एक बार की बात है। एक धनिक सेठ एक पहुंचे हुए संत के पास पहुंचा और उनसे बोला, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना का प्रयास करता हूं। परंतु मेरा मन ध्यान में एकाग्र ही नहीं हो पाता। आप मुझे मेरे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। धनिक सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और वहां पर तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ कि एक पहुंचे हुए संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए अच्छे-अच्छे पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका बहुत स्वागत सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के पात्र में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। यह देखकर वह बोला, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो कूड़ा-करकट भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, अपितु वह भी कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। सबसे पहले पात्रता विकसित करो, तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे हैं, तो वे आत्मज्ञान को आत्मसात कैसे कर पाएंगे? एकाग्रता भी तभी बनती है, जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर धनिक सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह शुद्ध आचरण से तथा परोपकार के द्वारा पहले अपने को सुपात्र बनाएगा, ताकि उसे आत्मज्ञान सहजता से प्राप्त हो सके।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

कांग्रेस पार्टी में कुर्सी की जिद, बगावती बुढ़ापा और बिखरी साख

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति का एक सीधा सा नियम है। एक समझदार नेता वह नहीं है जिसे सिर्फ आगे बढ़ना आता हो, बल्कि वह है जिसे यह पता हो कि कब और कितनी इज्जत के साथ दो कदम पीछे हट जाना है। आज की आपाधापी और कुर्सी से चिपके रहने की राजनीति के बीच, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जो समझदारी दिखाई है, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने देश के बाकी बुजुर्ग नेताओं को एक ऐसा सधा हुआ संदेश दिया है, जो न सिर्फ उनकी इज्जत को बढ़ाता है बल्कि दूसरों के लिए एक सबक भी है।राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि पार्टी अब शायद दिग्विजय सिंह को दोबारा राज्यसभा नहीं भेजेगी। अमूमन ऐसे मोड़ पर बड़े-बड़े नेता या तो बगावत पर उतर आते हैं या फिर कोने में बैठकर नाराजगी जताने लगते हैं। लेकिन दिग्गी राजा ने जिस अक्लमंदी से अपनी साख और सम्मान को बनाए रखा है, वह उनकी राजनीतिक परिपक्वता को दिखाता है। लोकतंत्र में कोई उनकी विचारधारा से अलग सोच रख सकता है, लेकिन उनकी राजनीतिक समझ और सही टाइमिंग के मामले में वे आज भी बेजोड़ हैं। वे जानते हैं कि जब हवा का रुख बदल रहा हो, तो खुद को कैसे संभाला जाता है। पद पर न रहकर भी संगठन में अपनी साख को कैसे बरकरार रखा जाता है, यह कला दिग्विजय सिंह ने बखूबी दिखाई है। इसके ठीक उलट, जब हम मध्य प्रदेश की राजनीति में उनके ही समकालीन नेता कमलनाथ को देखते हैं, तो स्थिति बिल्कुल विपरीत नजर आती है। पार्टी ने ज्योतिरादित्य सिंधिया की जगह कमलनाथ पर भरोसा जताकर उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी थी। लेकिन अपनी जिद और कुंठा के कारण कमलनाथ ने न सिर्फ सरकार गंवाई, बल्कि धीरे-धीरे प्रदेश में अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। हाल ही में एक राज्यसभा सीट के लिए दिल्ली से भोपाल तक की गई उनकी भागमभाग को सबने देखा। इतनी दौड़-धूप करने के बाद भी अंत में उन्हें खाली हाथ रहना पड़ा और सीट नहीं मिली, जिससे राजनीतिक गलियारों में उनकी जो किरकिरी हुई वह अलग। खुद को समय के अनुसार न ढालने की यह कुंठा किसी भी कद्दावर नेता के बने-बनाए इतिहास को धूमिल कर देती है।यही हाल राजस्थान के जादूगर कहे जाने वाले अशोक गहलोत का भी है। जब कोई नेता यह मान बैठता है कि पूरा प्रदेश उसकी मुट्ठी में है, तो वहीं से उसकी सबसे बड़ी राजनीतिक भूल शुरू होती है। जीवनभर सत्ता के शीर्ष पर रहने के बाद भी जब एक बड़ा नेता युवाओं का रास्ता रोकने लगता है, तो वह खुद अपनी इज्जत कम कर लेता है। राजस्थान में सचिन पायलट के प्रति उनकी नफरत और पदों के लिए कभी न खत्म होने वाली भूख ने उनके कद को बहुत छोटा कर दिया है। सवाल यह है कि जब आप खुद पूरी जिंदगी मलाईदार पदों पर रहे, तो आज युवाओं की महत्वाकांक्षा पर सवाल उठाने वाले आप कौन होते हैं? गहलोत के बदले हुए सुर और उनकी भाषा साफ इशारा कर रही है कि वे अब पार्टी से अलग रास्ता तलाश रहे हैं। अपनी राजनीति बचाने की ज़िद में वे अपनी ही इज्जत दांव पर लगा चुके हैं। अब होगा यह कि या तो वे खुद ही बाहर निकल जाएंगे, या फिर पार्टी उन्हें खुद किनारे लगा देगी।अशोक गहलोत और कमलनाथ का यह रुख कोई पहला उदाहरण नहीं है। कांग्रेस का इतिहास गवाह है कि जो नेता समय रहते मार्गदर्शक की भूमिका में नहीं आए, उन्होंने अपनी ही जिद से अपना राजनीतिक बुढ़ापा खराब कर लिया। पंजाब के कैप्टन अमरिंदर सिंह और जम्मू-कश्मीर के कद्दावर नेता गुलाम नबी आजाद इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पूरी जिंदगी पंजाब की सियासत पर राज किया, लेकिन आखिरी वक्त में कुर्सी न छोड़ने की जिद ने उन्हें उस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया जहां आज उनकी कोई राजनीतिक पूछ नहीं है। यही हाल गुलाम नबी आजाद का हुआ, जिन्होंने अपनी नई पार्टी तो बना ली, लेकिन आज वे पूरी तरह अप्रासंगिक हो चुके हैं। इन नेताओं ने जीवन भर जो मान-सम्मान कमाया था, वह उम्र के आखिरी पड़ाव में आकर सिर्फ पदों की भूख के कारण मिट्टी में मिल गया।सियासत का यह कड़वा सच है कि समय हमेशा

एक जैसा नहीं रहता। जो नेता वक्त की नब्ज को पहचानकर नई पीढ़ी के लिए जगह खाली नहीं करते, इतिहास उन्हें कभी सम्मान से याद नहीं रखता। दिग्विजय सिंह के इस कदम से बाकी वरिष्ठ नेताओं को यह सीखना चाहिए कि राजनीति सिर्फ पद की नहीं, बल्कि कद की होती है और कद कभी कुर्सियों से नहीं, बल्कि सही समय पर गरिमा के साथ पीछे हटने से बड़ा होता है।

अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवसः अतीत की धड़कन, भविष्य की दिशाः अभिलेखागार

सुनील कुमार महला

ऐतिहासिक दस्तावेजों और अभिलेखों के संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 9 जून को अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का आयोजन अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) द्वारा किया जाता है, जो विश्वभर में अभिलेखों के संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में प्रमुख संस्था है।इस दिवस का इतिहास भी अत्यंत रोचक है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के तत्वावधान में 9 जून 1948 को अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) की स्थापना हुई थी। बाद में वर्ष 2007 में आईसीए की आम सभा में यह निर्णय लिया गया कि परिषद के स्थापना दिवस को ही प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप पहला आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस 9 जून 2008 को आयोजित किया गया। इस दिवस का मूल उद्देश्य इतिहास, संस्कृति और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखने वाले अभिलेखागारों के महत्व को रेखांकित करना है। वास्तव में, अभिलेखागार केवल पुराने कागजों का संग्रह नहीं हैं, बल्कि वे किसी समाज, राष्ट्र और सभ्यता की सामूहिक स्मृति होते हैं। वे हमारी पहचान, अधिकारों और विरासत के संरक्षक हैं तथा अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि दुनिया का सबसे प्राचीन अभिलेख मिट्टी की पट्टियों पर अंकित व्यापारिक लेन-देन का विवरण माना जाता है। समय के साथ अभिलेखों का स्वरूप बदलता गया और आज इनमें सरकारी दस्तावेज, नक्शे, तस्वीरें, फिल्में, ऑडियो रिकॉर्डिंग, ई-मेल तथा डिजिटल फाइलें भी शामिल हैं। अनेक अभिलेखागारों में ऐसे संवेदनशील और गोपनीय दस्तावेज भी सुरक्षित रखे जाते हैं जिन्हें 'डार्क आर्काइव्स' कहा जाता है। इन अभिलेखों को संरक्षित तो रखा जाता है, लेकिन उनकी सामग्री को आम जनता अथवा शोधकताओं के लिए कई दशकों तक उपलब्ध नहीं कराया जाता।अभिलेखों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि किसी देश के कानूनों, युद्धों, स्वतंत्रता आंदोलनों, सरकारी निर्णयों और सामाजिक परिवर्तनों से जुड़े मूल दस्तावेज इन्हीं में सुरक्षित रहते हैं। सरकारी अभिलेख प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। नई दिल्ली स्थित भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार में मुगल काल, ब्रिटिश शासन और स्वतंत्र भारत से जुड़े लाखों मूल्यवान दस्तावेज संरक्षित हैं, जो शोधकताओं और इतिहासकारों के लिए अमूल्य धरोहर हैं।

हमें यह याद रखना चाहिए कि अभिलेख केवल इतिहास को संरक्षित नहीं करते, बल्कि संकट के समय लोगों के अधिकारों की रक्षा भी करते हैं। युद्ध, बाढ़, भूकंप या आग जैसी आपदाओं के बाद नागरिकों की पहचान, संपत्ति और कानूनी अधिकारों को प्रमाणित करने में अभिलेख महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी कारण इन्हें भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखी जाने वाली अमूल्य विरासत माना जाता है।वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का युग है। सूचनाओं के तीव्र प्रवाह और तकनीकी परिवर्तनों के बीच प्रमाणिक दस्तावेजों को सुरक्षित रखना पहले की अपेक्षा अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। इसी संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि अपने अतीत को सुरक्षित रखे बिना हम एक सशक्त और जागरूक भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते।

अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उलगुलान करने वाले धरती आवा बिरसा मुंडा

नौ जून बिरसा मुंडा का वलिदान दिवस है। उन्होंने अपना पूरा जीवन जल-जंगल-जमीन को बचाने के लिए समर्पित किया और अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान से आदिवासी सभ्यता की रक्षा कर, अपना अमूल्य योगदान दिया। वे भारत के एक महान आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था।

धरती आबा बिरसा मुंडा का उलगुलान भूमि से लेकर धर्म सम्बन्धी तमाम समस्याओं के खिलाफ जनसंघर्ष था तथा उन समस्याओं के खिलाफ राजनीतिक समाधान का प्रयास भी। वह आदिवासी और खासकर मुंडा समाज की आंतरिक बुराईयों और कमजोरियों को दूर करने का सामूहिक अभियान भी था। समाज की परंपरागत प्रकृति निर्भर तत्व ने आर्थिक समाजवाद की अवधारणा को बिरसा के अंदर जागृम किया। गांधी से पहले गांधी की अवधारणा के तत्व के उभार के पीछे भी बिरसा का समाज एवं पड़ोस के सूक्ष्म अवलोकन एवं उसे नयी अतर्दृष्टि देने का तत्व ही था। तभी तो उन्होंने गांधी के समान समस्याओं को देखा.-सुना, फिर चिंतन-मनन किया। उन्होंने मुंडा समाज को पुनर्गठित करने का जो प्रयास किया, वह अंग्रेजी हुकूमत के लिये विकराल चुनौती बनी। नये बिरसाइत धर्म की स्थापना की तथा लोगों कों नई सोच दी, जिसका आधार सात्विकता, आध्यात्मिकता, परस्पर सहयोग, एकता व बंधुता था। समस्या के कारणों को ढूढ़ 'गोरों वापस जाओह्न का नारा दिया एवं परंपरागत लोकतंत्र की स्थापना पर वल दिया, ताकि शोषणमुक्त ह्य आदिम साम्यवाद' की स्थापना हो सके। उन्होंने कहा -'महारानी राज जाएगा एवं अबुआ राज आएगा।

1857 के गदर शांत होने के बाद सरदार आंदोलन संगठित जनांदोलन के रूप में शुरू हो गया। 1858 से भूमि आंदोलन के रूप में विकसित यह आंदोलन 1890 में राजनीतिक आंदोलन में तब्दील हो गया, जब बिरसा मुंडा ने इसकी कमान संभाली। बिरसा का जन्म 15 नवम्बर 1875 को खूंटी जिले के अड़की प्रखंड के उलिहातु गांव में हुआ था। व्यक्तित्व निर्माण और तालीम ईसाई मिशनरियों के संरक्षण में हुई। स्कूली शिक्षा के दौरान बिरसा में विद्रोह के लक्षण प्रकट होने लगे। आदिवासियों में भूतकेता पहनाई आदि की परंपरा है। वे धार्मिक कृत्यों के लिये जमीन छोड़ते हैं। उस समय ईसाई पादरी उस जमीन पर मिशन का कब्जा करने की कोशिश करते थे। बिरसा ने इसकी शिनाख्त ईसाई मिशनरियों और गोरों की साजिशों के रूप में की और इसकी वेबाक ढंग से आलोचना की, जिस कारण वे स्कूल से निकाल दिये गये। इसके बाद वे सरदार आंदोलन में शमिल हो गये। ईसाई मिशन की सदस्यता छोड़ 1890-91 से करीब पांच साल तक वैष्णव संत आनंद पांड से हिन्दुओं के वैष्णव पंथ के आचार का ज्ञान प्राप्त किय और व्यक्तिक तथा सामाजिक जीवन पर धर्म के प्रभाव का मनन किया। परंपरागत धर्म की ओर उनकी वापसी हुई और उन्होंने धर्मोपदेश देना तथा धर्माचरण का पाठ पढ़ाना शुरू किया ।ईसाई धर्म छोड़नेवाले सरदार बिरसा के अनुयायी बनने लगे। बिरसा का पंथ मुडा जनजातीय समाज के पुनर्जागरण का जरिया बना । उनका धार्मिक अभियान प्रकारांतर से आदिवासियों को अंग्रेजी हुकूमत और ईसाई मिशनरियों के विरोध में संगठित होकर आबाज बुलंद करने को प्ररित करने लगा। उस दौर उनकी लोकप्रियता इस कदर परवान चढ़ी कि उनके अनुयायी 'बिरसाइत' कहलाने लगे। उन्होंने सादा जीवन उच्च विचार अपनाने का उपदेश दिया और मुंडा समाज में व्याप्त अंधविश्वासों और कुरितियों पर जमकर प्रहार किया । वह जनेउ, खड़ाउ और हल्दी रंग की धोती पहनने लगे। उन्होंने कहा कि ईश्वर एक है और वह है सिंगवोंगा। भूत-प्रेत की पूजा और बलि देना निरर्थक है।सार्थक जीवन के लिये सामिष भोजन अथवा मांस-मछली

का त्याग करना जरूरी है। हड़िया पीना बंद करना होगा। बिरसा के लोकप्रिय व्यक्तित्व के कारण सरदार आंदोलन में नई जान आ गयी। अगस्त 1895 में वन सम्बन्धी बकाये की माफी का आंदोलन चला। उसका नेतृत्व बिरसा ने किया। धर्मिक आधारों पर एकजूट बिरसइतो का संगठन जुझारू सेना की तरह मैदान मे उतर गया। बकाये की माफी के लिये उन्होंने चाईवासा तक की यात्रा की तथा रैयतों को एकजुट किया। अंग्रेजी हुकूमत ने बिरसा की मांग को ठुकरा दिया। बिरसा ने भी ऐलान कर दिया कि -' सरकार खत्म हो गयी। अब जंगल जमीन पर आदिवासियों का राज होगा। 9 अगस्त 1895 को चलकद में पहली बार विरसा को गिरफ्तार किया गया, लेकिन उनके अनुयायियों ने उन्हे छुड़ा लिया।16 अगस्त 1895 को गिरफतार करने की योजना के साथ आये पुलिस वल को बिरसा के नेतृत्व में सुनियोजित ढ़ंग से घेरकर खदेड़ दिया। इससे बौखलाई अंग्रेजी हुकूमत ने 24 अगस्त 1895 को पुलिस अधीक्षक मेयर्स के नेतृत्व में पुलिस वल चलकद रवाना किया तथा रात के अंधेरे में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर यह आरोप लगाया गया कि लोगों को ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ विद्रोह करने के लिये उकसा रहे थे। मुंडा और कोल समाज ने बिरसाइतों के नेतृत्व में सरकार के साथ असहयोग करने का ऐलान कर दिया। व्यापक विरोध के कारण मुकदमा चलाने का स्थान रांची से बदलकर खूंटी कर दिया गया, लेकिन विरोध के तेवर में फर्क नहीं पड़ने के कारण मुकदमें की कार्रवाई रोककर तुरंत जेल भेज दिया गया। भाद्रवि की धारा 505 के तहत मुकदमा चला तथा उन्हें दो साल सश्रम कारावास की सजा सुनायी गयी। उन्हें रांची से हजारीबाग जेल भेज दिया गया। 1997 में झारखंड में भीषण अकाल पड़ा तथा चेचक की महामारी भी फैली। आदिवासी समाज बिरसा के नेतृत्व के अभाव में भी दमन-शोषण, अकाल तथा महामारी से एकसाथ जूझता रहा। 30 नवम्बर 1897 को बिरसा जेल से छुटे तथा चलकद लौटकर अकाल तथा महामारी से पीड़ित लोगों की सेवा में जुट गये। उनका यह कदम अपने अनुयायियों को संगठित करने का आधार बना। फरबरी 1898 में डोम्बारी पहाड़ी पर मुंडारी क्षेत्र से आये मुंडाओं की सभा में उन्होंने आंदोलन की नई नीति की घोषणा की तथा खोये राज्य की वापसी के लिये धर्म तथा शांति का मार्ग अपनाने का आह्वान किया। उनके अभियान के तहत सामाजिक तथा सांस्कृतिक पक्ष को केन्द्र में रखकर आदिवासी समाज को मजबूत तथा संगठित करने का सिलसिला जारी रहा। 1889 के अंत में यह अभियान रंग लाया और अधिकार हासिल करने, खोये राज्य की प्राप्ति का लक्ष्य, जमीन को मालगुजारी से मुक्त करने तथा जंगल के अधिकार को वापस लेने के लिये व्यापक गोलवंदी षुरू हुई। कोलेबिरा, बानो लोहरदगा, तोरपा, कर्रा, बसिया, खूंटी, मुरहु, बुंडु, तमाड़, पोड़ाहाट, सोनाहातु आदि स्थानों पर बैठक हुई।24 दिसम्बर 1899 को रांची के तोरपा, खूंटी, तमाड़ बसिया, आदि से लेकर सिंहभूम जिला के चक्रधरपुर थाने तक में विद्रोह की आग भड़क उठी विद्रोह के दमन के लिये सिहभूम से रांची तक 500 बर्गमील क्षेत्र में सेना और पुलिस की कम्पनी बुलाकर बिरसा की गिरफ्तारी का अभियान तेज किया गया। सरदारों पर हमला करने और आंदोलन का साथ देनेवालो मुंडा- मानकियों को गिरफ्तार करने व आत्मसमर्पण न करनेवाले विद्रोहियों की घर -सम्पत्ति कुर्क करने की योजना को अमलीजामा पहनाया जाने लगा। सरकार ने बिरसा की सूचना देनेवालों और गिरफ्तारी में मदद देनेवालों मुंडा या मानकी को पांच सौ रुपयें पुरस्कार देने का ऐलान किया। बावजूद इसके बिरसा को गिरफ्तार नहीं कर पायी। बिरसा ने आंदोलन की रणनीति बदली, साठ स्थानों पर संगठन के केन्द्र बने। डोम्बारी पहाड़ी पर मुंडाओं की बैठक में 'उलगुलान' का ऐलान किया गया। बिरसा के इस आंदोलन की तुलना आजादी के आंदोलन में बहुत बाद 1942 के अगस्त क्रांति के काल से की जा सकती है। 1942 में महात्मा गांधी ने 'करो या मरो' का नारा दिया था।

बिरसा के नेतृत्व में अफसरों, पुलिस, अंग्रेज सरकार के संरक्षण में पलनेवाले जमींदारों और महाजनों को निशाना बनाया गया। खूंटी, तोरपा, बसिया, तमाड़, सबार्दा, मुरहू, चक्रणरपुर, पोड़ाहाट रांची और सिंहभूम में गोरिल्ला युद्ध ने हुकूमत की चूलें हिला दी। आंदोलन को कुचलने के लिये रांची और सिंहभूम को सेना के हवाले कर दिया गया। 8 जनबरी 1900 को डोम्बारी पहाड़ियों पर जमी बिरसाइत के जत्थे पर सेना ने आक्रमण कर दिया तथा युद्ध के दौरान लगभग 200 मुंडा मारे गये। सैलरकब पहाड़ी पर भी संघर्ष हुआ। इसके बाद भी बिरसा पकड़ में नहीं आये। आंदोलन की रणनीति के तहत अपने आंदोलन के केन्द्र बदले तथा घने जंगलों में संचालन के केन्द्र बनाये गये। जमकोपाई तथा पोड़ाहाट के जंगलों संगठन तथा प्रशिक्षण के कैंप बनाये गये। 3 फरवरी 1900 को सेंतरा के पश्चिम जंगल में बने शिबिर से बिरसा को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे गहरी नींद मे सोये हुए थे। पुलिस के भारी बंदोबस्त के साथ उन्हें तत्काल खुटी के रास्ते रांची कारागार लाकर बंद कर दिया गया। बिरसा के साथ अन्य 482 आंदोलनकारियों को गिरफ्तार किया गया। उनके खिलाफ 15 आरोप दर्ज किये गये। शेष अन्य गिरफ्तार लोगों में सिर्फ 98 के खिलाफ आरोप सिद्ध हो पाया। बिरसा के विश्वासी गया मुडा और उनके पुत्र सानरे मुंडा को फांसी दी गयी। गया मुंडा की पत्नी मांकी को दो वर्ष सश्रम कारावास की सजा दी। मुकदमें की सुनवाई के शुरूआती दौर में उन्होंने जेल में भोजन करने के प्रति अनिच्छा जाहिर की। अदालत में तवियत खराब होने की बजह से जेल वापस भेज दिया गया। 1 जून को जेल अस्पताल के चिकित्सक ने सूचना दी कि बिरसा को हैजा हो गया है और उनके जीवित रहने की संभावना नहीं है। 9 जून 1900 की सुबह सूचना दी गयी कि बिरसा नहीं रहे ।इस तरह एक क्रांतिकारी जीवन का अंत हो गया। बिरसा के संघर्ष के परिणामस्वरूप छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम 1908 बना। जल , जंगल और जमीन पर पारंपरिक अधिकार की रक्षा के लिये शुरू हुए आंदोलन एक के बाद एक श्रृंखला में गतिमान रहा तथा इसकी परिणति अलग झारखंड राज्य के रूप में हुई, लेकिन अबुआ दिशुम का सपना साकार नहीं हो सका।

बिरसा के द्वारा स्थापित बिरसाइत पंथ आज भी कायम है।खूंटी जिला मुख्यालय से पांच किलोमीटर दूर जंगल के बीच बिरसाइतों का गांव है अनिगड़ा। बिरसाइत सम्प्रदाय से जुड़े लोग मांस मछली नहीं खाते हैं, तुलसी की पूजा करते हैं। पहनने में सूती बस्त्र का इस्तेमाल करते हैं तथा नशे से दूर रहते है। हिंसा से दूर रहकर अहिंसा का पालन करते है। अनगड़ा में ही उदय मुडा को फांसी दी गयीं। कभी इस गांव में बिरसाइतों की संख्या 50 थी। अब ये नाममात्र के रह गये हैं। ये अपनी गरीबी और मुश्किलों से नाराज नहीं है, पर सरकारी उपेक्षा से ज्यादा दुखी है। यदि अंग्रेजों ने शोषण किया तो आजाद भारत की सरकार ने भी कम धोखा नहीं दिया। आजादी के बाद भी लगान- सूद से मुंडाओं को मुक्ति नहीं मिली। जल,जंगल,जमीन पर अधिकार नहीं मिला। अबुआ दिशुम का सपना पूरा नहीं हुआ। आज भी आदिवासियों की जल, जंगल, जमीन छीनी जा रही है। अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को विस्थापन के खिलाफ आवाज उठाने पर नक्सलवादी का ठप्पा लगाकर गोली मारी जा रही है। भूमाफियाओं द्वारा खुलेआम जमीन हड़पी जा रही है और आदिवासी समाज को समान वर्ग में परिवर्तित करने का षड्यंत्र चल रहा है। बफर जोन, वन सौंदर्यकरण, सिंचाई परिसर और बांधों के नाम पर पांचवीं अनुसूची क्षेत्र से आदिवासियों का कौड़ी के मोल मुआवजे देकर विस्थापन किया जा रहा है।अबुआ दिशुम-अबुआ राईज मात्र नारा बनकर रह गया। सीएनटी-एसपीटी एक्ट और संविधान प्रदत्त पांचवीं अनुसूची, पेसा कानून, वनाधिकार कानून तथा न्यायिक निर्णय समता जजमेंट आदि मुद्दों पर राज्य गठन होने के बाद जो सार्थक प्रयास केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा होना चाहिए, वो अब तक दिखाई नहीं दे रहा है।

वर्तमान दौर का समय कहीं ज्यादा प्रतिकूल है। भारत में अधिकांश विकास परियोजना संविधान की पांचवीं अनुसूची वाले आदिवासी क्षेत्रों में स्थापित की जा रही है ।क्योंकि संसाधनों के मामले में आदिवासी क्षेत्र समृद्ध रहा है और अब भी है । इस इलाके में देश का 71 फीसदी जंगल, 92 फीसदी कोयला, फीसदी बाक्साइट, 78 फीसदी लोहा, 100 फीसदी युरेनियम, 85 फीसदी तांबा, 65 फीसदी डोलोमाइट इत्यादि की भरमार है ।भारत के जल स्त्रोत का 70 फीसदी जल आदिवासी इलाके में है तथा करीब फीसदी उधोग के लिए कच्चा माल इन्ही क्षेत्रों से मिलता है ।यह प्रकृति की ओर से मिला वरदान है ।लेकिन यही वरदान इनके लिए चुनौती भी है, क्योंकि इन्ही संसाधनों की लूट और कब्जे को लेकर देश और दुनिया के कार्पोरेट की गिद्ध दृष्टि लगी है । इन संसाधनों पर काबिज होने की प्रक्रिया काफी तेज हो गया है। द्रुत गति से बढ़ रही कथित विकास परियोजनाओं से होने वाले विस्थापन का सामाधान निकालने के लिए अबतक कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया है। तेजी से बढ़ते विस्थापन की सबसे अधिक मार देश के आदिवासी पर पङ रही है।

मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं हेतु ऑन लाइन आवेदन आमंत्रित

अमरोहा (सब का सपना):- सहायक निदेशक मत्स्य, अमरोहा नीतू सिंह ने सर्वसाधरण को सूचित करते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की निम्नलिखित योजनाओं के अन्तर्गत जनसामान्य को ऑनलाइन आवेदन करने हेतु विभागीय पोर्टल http:// fisheries. up.gov.in 08 जून 2026 से दिनांक 28 जून 2026 तक खोला जा रहा है। मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना, संघन मत्स्य पालन हेतु एरेशन सिस्टम की स्थापना। उन्होंने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि उपरोक्त योजनाओं में लाभ प्राप्त करने हेतु योजनावार आवेदन पृथक-पृथक करने होंगे। योजनान्तर्गत परियोजना का विवरण, इकाई लागत, आवेदन करने की प्रक्रिया, आवेदन के साथ संलग्न किये जाने वाले अभिलेख व विस्तृत विवरण को विभागीय वेबसाइट http:// fisheries.upsdc.gov.inपर देखा जा सकता है। उक्त योजनाओं में यदि भविष्य में कोई संशोधन होता है तो संशोधित प्रविधान लागू होंगे। योजना में पूर्व के वर्षों में निरस्त / प्रतीक्षारत आवेदन वाले आवेदक पुनः आवेदन कर सकते है। इसके अतिरिक्त मत्स्य विभाग के जनपदीय, कार्यालय मौहल्ला मोतीनगर, अमरोहा में स्थित किसी भी कार्य दिवस में विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

उत्तर प्रदेश पुलिस परीक्षा में डीएम एवं एसपी द्वारा परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट डॉ. नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा को पूर्णतः शुचितापूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जनपद के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने भगवत सरन इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, आई.एम. इंटर कॉलेज, जे.एस.एच. इंटर कॉलेज, जे.एस. हिंदू पीजी कॉलेज अमरोहा ब्लॉक-ए, जे.एस. हिंदू पीजी कॉलेज अमरोहा ब्लॉक-बी, कुंदन माडल इंटर कॉलेज एवं सिख इंटर कॉलेज सहित प्रमुख परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य प्रबंधों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला मजिस्ट्रेट डॉ. नितिन गौड़ ने सीसीटीवी कंट्रोल रूम का अवलोकन किया और वहाँ तैनात कर्मचारियों को परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोग के सभी निदेर्शों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में 8, 9 एवं 10 जून 2026 को 10 परीक्षा केन्द्रों पर दो-दो पालियों में परीक्षा आयोजित की जा रही है।

प्रत्येक केन्द्र पर मजिस्ट्रेट तैनात हैं तथा सम्पूर्ण केन्द्र सीसीटीवी कैमरों से सुसज्जित है। पर्याप्त पुलिस बल, सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई गई है। प्रथम दिवस की दोनों पालियों की परीक्षा सकुशल एवं शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न हुई। निरीक्षण के दौरान सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक एवं कक्ष निरीक्षक उपस्थित रहे।

शहर को जाम से मुक्ति दिलाने और हरा-भरा बनाने के लिए ईओ दिनेश कुमार ने बनाई कार्य योजना

अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद अमरोहा के अधिशासी अधिकारी (ईओ) दिनेश कुमार ने 'संभव दिवस' के अवसर पर आम जनता की समस्याओं को बेहद गंभीरता से सुना और मौके पर आईं जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने शहर के सुंदरीकरण, यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने और पर्यावरण संरक्षण को लेकर पालिका प्रशासन की आगामी योजनाओं को साझा किया। अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार ने बताया कि अमरोहा को सुंदर, स्वच्छ और हरा-भरा बनाने के लिए पालिका प्रशासन ने एक विशेष पहल शुरू की है। इसके तहत शहर की प्रमुख सड़कों के किनारों पर व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने पर्यावरण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए शहर वासियों से भावुक अपील की कि इस भीषण गर्मी के मौसम में बेजुबान पक्षियों के लिए अपने घरों की छतों पर बर्तनों में पानी अवश्य रखें। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि राहगीरों को चिलचिलाती धूप और गर्मी से राहत दिलाने के लिए नगर पालिका द्वारा शहर के विभिन्न मुख्य स्थानों पर पीने के पानी के लिए प्याऊ की व्यवस्था की गई है। शहर में ई-रिक्शा के कारण आए दिन लगने वाले जाम और उससे आम जनता को होने वाली भारी परेशानी पर बात करते हुए ईओ दिनेश कुमार ने कहा कि शहर को जाम की समस्या से स्थायी निजात दिलाना हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए जल्द ही जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के साथ मिलकर एक ठोस कार्ययोजना (रूट प्लान) तैयार की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस योजना को इस तरह लागू किया जाएगा जिससे शहर की यातायात व्यवस्था भी दुरुस्त हो सके और गरीब ई-रिक्शा चालकों के सामने रोजी-रोटी का कोई संकट भी पैदा न हो। अधिशासी अधिकारी ने अमरोहा को साफ-सुथरा और आदर्श नगर बनाने के लिए जनता की भागीदारी को जरूरी बताया।

उन्होंने शहर वासियों से अपील की कि नगर की बेहतरी और स्वच्छता व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए नागरिक अपने बहुमूल्य सुझाव दे सकते हैं, उनके हर सकारात्मक सुझाव का स्वागत किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने पालिका के टोल-फ्री नंबर 18001801318 और अपने व्यक्तिगत मोबाइल नंबर 8189078097 को भी साझा किया, जिस पर नागरिक सीधे संपर्क कर अपनी बात रख सकते हैं।

बछरायूं में प्रतिबंधित पॉलीथिन के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान के दौरान 57 किलो पॉलिथीन जब्त

एकल उपयोग प्लास्टिक के विरुद्ध 21 जून तक जारी रहेगा अभियान

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील के थाना बछरायूं में नगर पालिका परिषद बछरायूं द्वारा नगर में लगने वाले साप्ताहिक बाजार में प्रतिबंधित पॉलीथिन के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया जिसके तहत चेकिंग करने वाली टीम ने 57 किलो प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की ,साथ ही 26000 रुपए का जुमार्ना भी वसूला। पालिका अधिशासी अधिकारी दीपालिका यादव ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर यह अभियान 5 जून से 21 जून 2026 तक चलाया जाएगा। बता दें कि सोमवार को मंडी धनौरा तहसील क्षेत्र की बछरायूं नगर पालिका परिषद में पर्यावरण संरक्षण को लेकर प्रतिबंधित पॉलीथिन एकल उपयोग प्लास्टिक के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया गया जिसके तहत पालिका की तरफ से गठित टीम ने नगर में लगने वाले साप्ताहिक बाजार में 57 किलो प्रतिबंधित पॉलिथीन जप्त की, साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों से 26000 रुपए का जुर्मानवी वसूला।यह कार्रवाई नगर पालिका परिषद की अधिशासी अधिकारी (ईओ) दिपालिका यादव के नेतृत्व में "फ्अउए" (रिडक्शन, अवेयरनेस, सर्कुलर सॉल्यूशन एंड मास एंगेजमेंट) अभियान के तहत की गई इस दौरान टीम ने दुकानदारों, व्यापारियों और आम जनता को प्लास्टिक से होने वाले नुकसानों के प्रति जागरूक किया। लोगों से पर्यावरण बचाने के लिए कपड़े या जूट के थैलों का उपयोग करने की अपील भी की गई।अधिशासी अधिकारी दिपालिका यादव ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर यह विशेष अभियान 5 जून से 21 जून 2026 तक चलाया जा रहा है। इसके तहत नगर क्षेत्र में नियमित रूप से चेकिंग, जब्ती और स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।उन्होंने चेतावनी दी कि प्लास्टिक का उपयोग रोकने के लिए आगे भी निरंतर निरीक्षण किया जाएगा और नगरवासियों से 'स्वच्छ और हरित बछरायूं' बनाने में सहयोग की अपील की।

इस अभियान के दौरान निरीक्षण टीम में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (बिजनौर) से मोहम्मद फैज और मोहम्मद सलमान (जे.ई.ए.) विशेष रूप से मौजूद रहे।नगर पालिका परिषद की ओर से दानिश जावेद, जावेद अली, प्रमोद कुमार, मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद अकील, आस मोहम्मद, नसर बिलाल और संजय सहित कई अधिकारी व कर्मचारी शामिल थे।

डिडौली क्षेत्र अवैध बालू खनन पर कार्यवाही करने पहुंची टीम के साथ अभद्रता,4 पर केस दर्ज

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की डिडौली कोतवाली क्षेत्र में खनन माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही करने मौके पर पहुंची खनन विभाग की टीम के साथ खनन माफियाओं ने अभद्रता करते हुए जब्त की हुई ट्रैक्टर ट्राली को जबरन रास्ते में रोक कर छुड़ाने का प्रयास किया गया। इस मामले में संबंधित विभाग की तरफ से चार नामजद समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बता दें कि खनन विभाग अधिकारियों को डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव पूरनपुर के जंगलों में स्थित झील में लंबे समय से अवैध बालू खनन की लगातार शिकायतें मिल रही थी इसी सूचना के आधार पर संबंधित विभाग के अधिकारी केवी सिंह अपनी टीम के साथ 28 मई की रात को मौके पर पहुंचे और कार्यवाही करते हुए बालू से लदी एक ट्रैक्टर ट्राली को जब्त कर लिया।खनन विभाग की कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद खनन में संलिप्त लोग अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। इसके बाद जिला खनन अधिकारी ट्राली को कब्जे में लेकर लौट आए और उसे कोतवाली तक पहुंचाने की जिम्मेदारी टीम में शामिल दो होमगार्ड और एक कर्मचारी को सौंपी।आरोप है कि रास्ते में गांव श्यौनाली निवासी अफसर, इशरत अली, अलमर जहां और हनीफ अपने कुछ साथियों के साथ पहुंचे और ट्रैक्टर-ट्राली को रोक लिया। विरोध करने पर आरोपियों ने होमगार्डों के साथ अभद्रता की तथा ट्राली छीनने का प्रयास किया।होमगार्डों ने तत्काल घटना की सूचना जिला खनन अधिकारी को दी, जिसके बाद डिडौली कोतवाली से अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर भेजा गया। पुलिस के पहुंचने की सूचना मिलते ही आरोपी मौके से फरार हो गए।मामले की जांच के दौरान पता चला कि झील श्रेणी की भूमि से करीब 820 घनमीटर बालू का अवैध खनन और परिवहन किया गया था।

इसके बाद जिला खनन अधिकारी केवी सिंह की तहरीर पर डिडौली पुलिस ने अफसर, इशरत अली, अलमर जहां और हनीफ के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। अन्य अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है।पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना की जा रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वहीं अवैध खनन में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

गजरौला में भाजपा नेता ने की प्रेस वार्ता,अपने ऊपर लगे आरोपों को बताया निराधार

मेरी जमीन हड़पना चाहते हैं विपक्षी लोग:- भाजपा नेता

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली निवासी भाजपा नेता वेदपाल चौधरी ने एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया, जिसमें उन्होंने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि विपक्षी लोगों ने उनके ऊपर जो भी गंभीर आरोप लगाए हैं वह सभी झूठे और बेबुनियाद हैं। उन्होंने यह सारा मामला उनकी जमीन से जुड़ा हुआ बताया जिसमें उन्होंने विपक्षी लोगों पर आरोप लगाते हुए कहा कि शहर निवासी उनके विरोधी एक अधिवक्ता द्वारा उनकी जमीन को हड़पने की साजिश की जा रही है जिसकी वजह से उन पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। बता दें कि कुछ दिनों पहले शहर के एक अधिवक्ता ने वेदपाल चौधरी पर 10 लाख रुपये की सुपारी देकर अपनी हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया था। अधिवक्ता ने मीडिया के सामने अपनी जान को खतरा बताते हुए प्रशासन से सुरक्षा की मांग की थी।इसी के जवाब में वेदपाल चौधरी ने अपने आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में अधिवक्ता के आरोपों को पूरी तरह से नकार दिया। उन्होंने दावा किया कि अधिवक्ता अपने पैसे के दम पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं और उनके खिलाफ कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं।भाजपा नेता ने स्पष्ट किया कि यह पूरा मामला एक जमीन विवाद से जुड़ा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने मुन्नी देवी से कुछ जमीन खरीदी थी, जिसे अधिवक्ता कथित तौर पर हड़पना चाहते हैं।

चौधरी के अनुसार, अधिवक्ता उन पर फर्जी मुकदमे दर्ज कराकर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं।वेदपाल चौधरी ने कानून पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि अधिवक्ता द्वारा उनके खिलाफ दर्ज कराए गए कई फर्जी मुकदमे पहले ही खारिज हो चुके हैं।

बछरायूं पुलिस ने अवैध असलहे के दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत जनपद की थाना बछराई पुलिस ने अवैध असलहे के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है जिनकी कब्जे से पुलिस ने दो अवैध तमंचे 12 बोर दो जिंदा कारतूस 12 बोर बरामद किए हैं। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में लक्की पुत्र गोपाल उम्र करीब 27 वर्ष, निवासी ग्राम ढाक्कोवाली,थाना बछरायूं,जनपद अमरोहा एवं देवेंद्र पुत्र सोनाथ सिंह, उम्र करीब 19 वर्ष,निवासी ग्राम विशावली ,थाना बछरायूं, जनपद अमरोहा शामिल है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ अपराध से संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करने बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

हरिद्वार चिंतन शिविर की तैयारी को लेकर भाकियू टिकैत की बैठक सम्पन्न

शिविर के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की बनाई रणनीति

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील में सोमवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक के दौरान उत्तराखंड के हरिद्वार में 15 से 18 तारीख तक आयोजित होने वाले वार्षिक चार दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर की तैयारियों को लेकर जनपद भर से बड़ी संख्या में कार्यकताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु रणनीति तैयार की गई। बैठक का आयोजन फत्तेहपुर स्थित वीपीएस बैंक्विट हॉल में कराया गया। बता दें कि सोमवार को आयोजित इस बैठक को संबोधित करते हुए भाकियू के वरिष्ठ नेता दानवीर सिंह ने बताया कि हरिद्वार का यह वार्षिक चिंतन शिविर संगठन की रीढ़ है। इसमें किसानों के वर्तमान मुद्दों, समस्याओं और भविष्य की रणनीतियों पर गहन विचार-विमर्श किया जाता है। उन्होंने अमरोहा जनपद के पदाधिकारियों और कार्यकताओं से बड़ी संख्या में हरिद्वार पहुंचने का आह्वान किया। इसके लिए गांव-गांव जाकर जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है नेताओं ने बताया कि 15 से 18 तारीख तक चलने वाले इस शिविर में देश और प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व के साथ किसान हितों की रक्षा का संकल्प लिया जाएगा। कार्यकताओं को परिवहन और ठहरने की व्यवस्था सुचारू बनाने के लिए अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं।इस बैठक में संगठन की मजबूती और एकजुटता पर भी विशेष जोर दिया गया। बैठक में विजय पाल सिंह, धर्मेंद्र सिंह सोनू गंदूपाल वाले, आलोक कुमार, संजय अम्हेड़ा, देशराज सिंह, सोवीर सिंह, जयपाल सिंह, गुरमीत सिंह, वचन सिंह, फुलवास सिंह, सुभाष चीमा, राजेंद्र सिंह, मुकेश चौधरी, ठाकुर महेश सिंह, शीशपाल सिंह, नरेंद्र सिंह, शिवचरण सैनी, धर्मवीर सिंह, नरेंद्र सिंह, काले सिंह चौहान, जितेंद्र सिंह, जीशान हैदर, महीपाल चाहल और सतपाल सिंह मलंगपुरा सहित सैकड़ों किसान कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अमरोहा देहात पुलिस ने फायरिंग की घटना का किया खुलासा,03 लोगों को गिरफ्तार कर भेजा न्यायालय

अमरोहा देहात (सब का सपना):- जनपद के अमरोहा देहात पुलिस द्वारा क्षेत्र में फायरिंग की घटना को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके कब्जे से पुलिस ने एक मोटरसाइकिल,दो अवैध तमंचे,खोखा व एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस द्वारा इस कार्यवाही को अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देश अनुसार अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत किया है। बता दें कि इस मामले में पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक दिनांक 6 जून 2026 को वादी हिमांशु चौधरी पुत्र धर्मेंद्र सिंह निवासी गांव सड़कड़ी अजीज ,थाना डिडौली द्वारा अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध उसकी स्कॉर्पियो कार पर जान से मारने की नीयत से फायर करने के संबंध में शिकायती पत्र दिया गया था जिसके आधार पर थाना अमरोहा देहात पुलिस द्वारा संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। इस मामले में घटना के अनावरण हेतु गठित पुलिस टीम द्वारा साक्ष्य संकलन, सीसीटीवी फुटेज एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया,पुलिस द्वारा अभियुक्तों से पूछताछ में बताया गया कि उनका लक्ष्य कोई अन्य व्यक्ति था जिसे लेकर उनकी पुरानी रंजिश चल रही थी ,इसी दौरान भ्रमवश उक्त स्कॉर्पियो कार को लक्ष्य समझकर उस पर फायरिंग कर दी गई ,बाद में जानकारी हुई कि गाड़ी में उनके लक्ष्य मौजूद नहीं था।

खबर लिखे जाने तक इस पूरे घटनाक्रम के मामले में पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए तीनों अभियुक्तों के खिलाफ अपराध से संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा था।

मादक पदार्थ बनाने वाले चार तस्कर गिरफ्तार, एसीटिक एनहाइड्राइड बरामद

कैला देवी/संभल(सब का सपना):- जनपद में कानून व्यवस्था तथा अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एएनटीएफ (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) लखनऊ एवं बरेली की टीम तथा थाना कैलादेवी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गंगा एक्सप्रेसवे के निकट जियो पेट्रोल पंप के पास एक बंद बॉडी कंटेनर ट्रक से 628.65 किलोग्राम अवैध एसीटिक एनहाइड्राइड प्रीकर्सर बरामद कर चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि मेरठ की ओर से आ रहा एक कंटेनर ट्रक ट्रांसपोर्ट के सामान के बीच एसीटिक एनहाइड्राइड छिपाकर ले जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर ट्रक को रोक लिया और तलाशी ली। तलाशी के दौरान नौ नीले रंग के प्लास्टिक ड्रम तथा एक सफेद ड्रम में कुल 628.65 किलोग्राम एसीटिक एनहाइड्राइड बरामद हुआ। इसके अलावा ट्रक में डेक्कन एसी के 100 आउटडोर यूनिट और 100 कम्प्रेसर सहित कुल 200 बॉक्स तथा चार मोबाइल फोन भी मिले।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मदनपाल पुत्र हरिचंद, राजपाल पुत्र तोताराम, मोहम्मद नाजिम पुत्र अब्दुल रशीद तथा शोएब पुत्र स्वर्गीय शफीक चौधरी के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि एसीटिक एनहाइड्राइड को एसी के सामान के बीच छिपाकर तस्करी की जाती थी। उन्होंने स्वीकार किया कि इस रसायन का उपयोग स्मैक और हेरोइन जैसे मादक पदार्थों के निर्माण में किया जाता है। आरोपी इसे कम कीमत पर खरीदकर विभिन्न स्थानों तक पहुंचाते थे और बाद में अधिक दाम पर बेचकर मुनाफा आपस में बांट लेते थे। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध थाना कैलादेवी में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश कर रही है।

पुलिस भर्ती परीक्षा केंद्रों का डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण, जीर्णोद्धार कार्य का भी लिया जायजा

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती लिखित परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने परीक्षा के द्वितीय सत्र में विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने राजकीय महाविद्यालय सम्भल, जेड.यू. इंटर कॉलेज तथा एम.जी.एम. डिग्री कॉलेज सम्भल पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी मॉनिटरिंग, अभ्यर्थियों की चेकिंग, प्रवेश व्यवस्था, यातायात एवं पार्किंग प्रबंधन सहित अन्य व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों एवं ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों-कर्मचारियों को पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। इसके बाद जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने तहसील सम्भल के ग्राम सौंधन मोहम्मदपुर स्थित ऐतिहासिक कारवां सराय के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा जीर्णोद्धार किए गए प्रवेश द्वार का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिसर में रह रहे भूमिहीन परिवारों के पुनर्वास हेतु नियमानुसार पट्टा आवंटन की कार्रवाई प्राथमिकता के आधार पर की जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन लोगों के पास अन्य स्थानों पर आवास उपलब्ध हैं और फिर भी वे परिसर की भूमि पर कब्जा किए हुए हैं, वे शीघ्र ही परिसर खाली करें, ताकि ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण और सौंदर्यीकरण का कार्य प्रभावी ढंग से किया जा सके। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार धीरेन्द्र कुमार सिंह, नायब तहसीलदार दीपक कुमार जुरैल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नवनियुक्त ईओ का व्यापार मंडल ने किया स्वागत, जनसमस्याओं से कराया अवगत

संभल(सब का सपना):- नगर पालिका परिषद संभल में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नवनियुक्त अधिशासी अधिकारी (ईओ) आदित्य प्रकाश का अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने उनके कार्यालय पहुंचकर फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान व्यापारियों ने शहर की विभिन्न जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने अधिशासी अधिकारी को शहर में खराब पड़े प्याऊ ठीक कराने, मुख्य बाजारों में बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को चालू कराने तथा टूटी हुई सड़कों की मरम्मत कराने की आवश्यकता से अवगत कराया। साथ ही नगर की अन्य मूलभूत समस्याओं पर भी चर्चा करते हुए जनहित में त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा जताई। अधिशासी अधिकारी आदित्य प्रकाश ने व्यापार मंडल के पदाधिकारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए नगर की व्यवस्थाओं में सुधार एवं जनसमस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर हाजी एहतेशाम, नाजिम सैफी, मीडिया प्रभारी अजीम अब्बासी, फुरकान वारसी, हाजी अशरफ शालीमार, मोहतासिम राजा, शाहनवाज अंसारी, मोहम्मद जुहैब, सलमान खान, रेहान वारसी, सोमनाथ खुराना, दीपक वर्मा, मोहम्मद नईम, आदिल उर्फ बिट्टू वारसी, शान एडवोकेट, शाहनवाज अख्तर, अतीक सैफी, मोहम्मद अमान सहित अनेक पदाधिकारी एवं व्यापारी मौजूद रहे।

टूटे हाईवोल्टेज तार ने ली किसान के जवान बेटे की जान, बिजली विभाग की लापरवाही पर उठे सवाल

मंडावर/बिजनौर (सब का सपना):- बिजली विभाग की कथित लापरवाही ने एक परिवार की खुशियां पलभर में उजाड़ दीं। थाना क्षेत्र के ग्राम खलीलापुर उर्फ खिरनी में खेत में कई दिनों से टूटा पड़ा 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन का तार एक 20 वर्षीय युवक के लिए काल बन गया। करंट की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार गांव निवासी जयदेव पुत्र सतीश (20 वर्ष) शनिवार सुबह करीब 9 बजे अपने खेत पर कृषि कार्य के लिए गया था। बताया जा रहा है कि खेत में पिछले तीन-चार दिनों से 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन का तार टूटकर पड़ा हुआ था। ग्रामीणों का आरोप है कि इसकी सूचना कई बार बिजली विभाग को दी गई थी, लेकिन विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया और तार को न तो हटाया गया और न ही उसकी मरम्मत कराई गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जैसे ही जयदेव खेत में पहुंचा, वह अनजाने में टूटे हुए हाईवोल्टेज तार की चपेट में आ गया। तेज करंट लगने से वह वहीं गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जब आसपास के लोगों को घटना की जानकारी मिली तो मौके पर भारी भीड़ जुट गई। परिवार के लोग बदहवास हालत में खेत पर पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी घटनास्थल पर बुलाया। इसके बाद शव का पंचनामा भरकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई। ग्रामीणों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि यदि शिकायत के बाद समय रहते टूटे तार को ठीक कर दिया जाता, तो एक युवा की जान बच सकती थी। लोगों ने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और क्षेत्र में जर्जर विद्युत लाइनों की तत्काल जांच कराने की मांग की है। जयदेव की असमय मौत से उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में शोक का माहौल है और हर कोई यही कह रहा है कि यदि समय पर लापरवाही न होती, तो आज एक घर का चिराग बुझने से बच सकता था।

शादी की जिद पर अड़ी प्रेमिका पहुंची प्रेमी के घर, दिनभर चला मान-मनौव्वल, आखिर मंदिर में रचाया विवाह

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- प्यार जब सामाजिक बंधनों और पारिवारिक असहमतियों से टकराता है तो कई बार ऐसे घटनाक्रम सामने आते हैं जो पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन जाते हैं। धामपुर कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार को ऐसा ही एक मामला सामने आया, जहां एक युवती अपने प्रेमी से विवाह करने की जिद लेकर सुबह-सुबह उसके घर पहुंच गई। घंटों तक चली समझाइश, परिजनों के प्रयास और सामाजिक दबाव के बावजूद युवती अपने फैसले से टस से मस नहीं हुई। आखिरकार दोनों परिवारों को उसके प्रेम के आगे झुकना पड़ा और शाम तक दोनों का विवाह शिव मंदिर में संपन्न करा दिया गया। जानकारी के अनुसार प्रेमी और प्रेमिका पिछले काफी समय से एक-दूसरे को जानते थे और विवाह करना चाहते थे। दोनों एक ही समुदाय से बताए जा रहे हैं, हालांकि उनके गांव अलग-अलग हैं। बताया जाता है कि परिवारों की सहमति नहीं मिलने के कारण दोनों के रिश्ते को मंजूरी नहीं मिल पा रही थी।

मंगलवार सुबह जब गांव के लोग अपने दैनिक कार्यों में व्यस्त थे, तभी युवती सीधे अपने प्रेमी के घर पहुंच गई। अचानक युवती को घर के बाहर देखकर परिवार के लोग हैरान रह गए। परिजनों ने उसे समझाने का प्रयास किया और वापस घर लौटने के लिए कहा, लेकिन युवती ने साफ शब्दों में कह दिया कि अब वह अपने प्रेमी के बिना वापस नहीं जाएगी। घंटों तक घर के भीतर और बाहर बातचीत का दौर चलता रहा। ग्रामीणों और रिश्तेदारों ने भी युवती को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह बार-बार यही कहती रही कि उसने अपना जीवनसाथी चुन लिया है और अब उसी के साथ रहना चाहती है। युवती के इस अडिग फैसले ने सभी को असमंजस में डाल दिया। बताया जाता है कि बाद में युवती के परिजन भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने भी काफी समझाने-बुझाने का प्रयास किया, लेकिन जब युवती अपने निर्णय पर अटल रही तो परिजनों ने आखिरकार उसे उसके हाल पर छोड़ दिया। इसके बाद दोनों परिवारों और स्थानीय लोगों के बीच बातचीत हुई और मामले का शांतिपूर्ण समाधान निकालने का प्रयास किया गया। अंततः प्रेमी के परिजनों ने दोनों के रिश्ते को स्वीकार करते हुए धामपुर स्थित एक शिव मंदिर में विवाह कराने का निर्णय लिया। मंदिर में सादगीपूर्ण माहौल में वैदिक रीति-रिवाजों के साथ दोनों का विवाह संपन्न कराया गया। विवाह के दौरान मौजूद लोगों ने नवदंपति को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद भविष्य की कामना की। घटना दिनभर क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी रही। बड़ी संख्या में लोग इस पूरे घटनाक्रम को देखने और जानने के लिए उत्सुक दिखाई दिए। वहीं कई लोगों ने इसे प्रेम की जीत बताया, जबकि कुछ लोगों का मानना था कि ऐसे मामलों में परिवारों की सहमति और सामाजिक संतुलन भी महत्वपूर्ण होता है। फिलहाल विवाह के बाद दोनों परिवारों में स्थिति सामान्य बताई जा रही है और नवविवाहित जोड़ा अपने नए जीवन की शुरूआत कर चुका है। प्रेम, जिद और सामाजिक स्वीकृति के इस घटनाक्रम ने पूरे क्षेत्र का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

गुलदार के हमले में दो युवक घायल, ग्रामीणों में दहशत

बाइक से घर लौट रहे भाइयों पर जंगल में किया हमला, वन विभाग से पिंजरा लगाने की मांग

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र में गुलदार के हमले की एक और घटना सामने आई है। गांव गदनपुर निवासी दो युवक उस समय घायल हो गए जब वे बाइक से दवाई लेकर अपने घर लौट रहे थे। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गदनपुर निवासी अभिषेक और नितिन रविवार रात करीब साढ़े आठ बजे निकटवर्ती गांव भवानीपुर स्थित डॉक्टर अमित के यहां से दवाई लेकर बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। बताया जाता है कि जब वे जंगल क्षेत्र में सादिक के कुएं के पास पहुंचे, तभी खेतों से निकलकर आए एक गुलदार ने अचानक उन पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से दोनों युवक घबरा गए और घायल हो गए। हमले के दौरान उन्होंने शोर मचाया, जिसे सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों के पहुंचने पर गुलदार जंगल की ओर भाग गया, जिससे दोनों युवकों की जान बच सकी। घायल अभिषेक ने बताया कि हमले के दौरान उनकी बाइक नहीं गिरी। यदि बाइक गिर जाती तो गुलदार किसी एक को दबोच सकता था और घटना और भी गंभीर हो सकती थी। दोनों घायलों को उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार गुलदार की गतिविधियां बढ़ रही हैं, जिससे खेतों में काम करने और रात के समय आवागमन करने वाले लोगों में डर बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ने तथा क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि बिजनौर जनपद में पिछले दो वर्षों के दौरान गुलदार के हमलों में 36 लोगों की जान जा चुकी है। लगातार सामने आ रही घटनाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में चिंता बढ़ा दी है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में और भी गंभीर घटनाएं हो सकती हैं।

बेटे को ले जाने और मारपीट का आरोप, पीड़ित ने पुलिस कार्रवाई न होने की शिकायत की

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के चांदपुर क्षेत्र में एक व्यक्ति ने कुछ लोगों पर अपने बेटे को जबरन साथ ले जाने और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए पुलिस कार्रवाई न होने की शिकायत की है। पीड़ित ने उच्च अधिकारियों से मामले में निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुबारकपुर कला निवासी मोहम्मद फैसल पुत्र लियाकत का आरोप है कि 6 जून 2026 को सुबह करीब 11:30 बजे वह अपने पुत्र मोहम्मद जैन के जन्मदिन के लिए सामान खरीदने चांदपुर जा रहे थे। इसी दौरान देवी मंदिर के सामने कुछ लोगों ने उनकी स्कूटी रोक ली।

पीड़ित के अनुसार, आरोपियों में मोहम्मद दीन, अजीम और शुऐब, पुत्रगण इदरीस निवासी कराल थाना चांदपुर, सहित 4ञ5 अन्य अज्ञात व्यक्ति शामिल थे। उनका आरोप है कि इन लोगों ने उनके साथ मारपीट की, जिससे उन्हें चोटें आईं, तथा उनके बेटे को अपने साथ ले गए। मोहम्मद फैसल का कहना है कि घटना के बाद जब वह शिकायत लेकर थाना चांदपुर पहुंचे तो उन्हें थाना हीमपुर दीपा भेज दिया गया। वहां जाने पर उन्हें पुनः चांदपुर जाने के लिए कहा गया। उनका आरोप है कि अब तक उनकी शिकायत पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिसके चलते उन्होंने उच्च अधिकारियों से हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की मांग की है।

दूसरी ओर, इस मामले में दूसरे पक्ष से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका। पुलिस की ओर से भी मामले में आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। पुलिस जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

कोल्डड्रिंक पीने के बाद एक ही परिवार के आठ लोगों की तबीयत बिगड़ी, संदिग्ध फूड प्वाइजनिंग से मचा हड़कंप

हल्दौर/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गांव शफीपुर हीरा में संदिग्ध फूड प्वाइजनिंग का मामला सामने आने से हड़कंप मच गया। शनिवार रात भोजन के बाद कोल्डड्रिंक पीने वाले एक ही परिवार के आठ लोगों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। रविवार सुबह सभी अचेत जैसी अवस्था में मिले, जिसके बाद परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने सभी को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव निवासी शबीना (35), सादमा (30), अमरीन (22), शाकिब (16), शाद (14), फैज (11), जैद (8) और कासिफ (5) ने शनिवार रात परिवार के साथ भोजन किया था। भीषण गर्मी के चलते भोजन के बाद सभी ने कोल्डड्रिंक का सेवन किया और फिर सो गए। बताया जाता है कि रविवार सुबह काफी देर तक घर के लोग नहीं जागे तो परिजनों और पड़ोसियों को चिंता हुई। जब घर के अंदर जाकर देखा गया तो सभी की हालत खराब थी और वे अस्वस्थ अवस्था में पड़े मिले। घटना की सूचना मिलते ही परिवार के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हल्दौर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया। मरीजों की स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी पुलिस को भी दी गई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मामले की जांच में जुट गई है। अधिकारी यह पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि लोगों की तबीयत बिगड़ने की वजह वास्तव में खाद्य विषाक्तता (फूड प्वाइजनिंग) है, कोल्डड्रिंक में किसी प्रकार की गड़बड़ी है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। चिकित्सकों के अनुसार सभी मरीजों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और आवश्यक उपचार दिया जा रहा है।

वहीं स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच के लिए खाद्य पदार्थों और अन्य संभावित कारणों की पड़ताल शुरू कर दी है। घटना के बाद पूरे गांव में चिंता का माहौल है। एक ही परिवार के आठ लोगों के एक साथ बीमार होने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक कारण सामने लाने और आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण से युवाओं को मिली व्यावहारिक दक्षता

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- मेरा युवा भारत (MY Bharat) एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में 5 दिवसीय आपदा प्रबंधन अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में युवाओं को जल सुरक्षा, प्राथमिक उपचार, अग्निशमन उपकरणों के उपयोग तथा आपातकालीन स्थिति में बचाव संबंधी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षक संदीप कुमार ने जीवन रक्षक जैकेट, फायर एक्सटिंग्विशर और सीपीआर तकनीक का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के बाद युवाओं ने स्वच्छता अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया। उप निदेशक आकर्ष दीक्षित ने कहा कि इस पहल से युवाओं में नेतृत्व, अनुशासन एवं सेवा भावना का विकास होगा।

नामजद आरोपियों पर जानलेवा हमले का आरोप, पीड़ित ने एसएसपी से लगाई न्याय की गुहार

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनपद के खुर्जा नगर क्षेत्र के ग्राम इस्माइलपुर बुढ़ेना निवासी एक युवक ने गांव के ही कई लोगों पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र सौंपकर रिपोर्ट दर्ज कराने और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित अजय पाल उर्फ कलुआ पुत्र सूरज सिंह ने एसएसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि 28 मई 2026 को वह अपने गांव से खुर्जा की ओर जा रहा था। आरोप है कि रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे कुछ लोगों ने उसे रोक लिया और पुरानी रंजिश के चलते उसके साथ मारपीट शुरू कर

दी। शिकायत के अनुसार आरोपियों ने लाठी-डंडों, लोहे के तार तथा अन्य हथियारों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने उसे घेरकर बेरहमी से पीटा, जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ा। घटना के बाद आसपास के लोगों की मदद से उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि नामजद आरोपियों द्वारा लगातार धमकियां भी दी जा रही हैं, जिसके चलते उसका परिवार भय के माहौल में जीने को मजबूर है। शिकायती पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि मामले की सूचना पुलिस को दिए जाने के बावजूद अब तक आरोपियों के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। पीड़ित का कहना है कि उसने पूर्व में भी अधिकारियों को प्रार्थना पत्र दिया था, लेकिन न्याय नहीं मिल सका।

पीड़ित ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने तथा कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। अब देखना यह होगा कि पुलिस प्रशासन इस गंभीर शिकायत पर क्या कदम उठाता है और पीड़ित को कब तक न्याय मिल पाता है।

बिझलपुर में गूंजी पीडीए की आवाज, पंचायत में उमड़े ग्रामीण

समाजवादी पार्टी की पीडीए पंचायत में सामाजिक न्याय पर चर्चा

हसनपुर (सब का सपना):- विधानसभा क्षेत्र हसनपुर 42 के ग्राम बिझलपुर में रविवार को समाजवादी पार्टी की ओर से पीडीए पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और कार्यकताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़कवंशी रहे। पंचायत में सामाजिक न्याय, भाईचारे और पिछड़े, दलित एवं अल्पसंख्यक समाज के अधिकारों को मजबूत करने पर चर्चा हुई। उपस्थित लोगों ने समाजवादी पार्टी की नीतियों पर विश्वास जताते हुए संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर यादराम सिंह खड़कवंशी, चरण सिंह प्रधान, पूर्व प्रधान राजकुमार सिंह, छिद्दन सिंह खड्गवंशी, क्षेत्र पंचायत सदस्य जयपाल सिंह खड़कवंशी, ग्राम प्रधान नौशाद अहमद, डॉ. जितेंद्र सिंह खड्गवंशी, मास्टर किशन लाल खड़कवंशी, लेखराज सिंह खड़कवंशी, बिहारी सिंह खड़कवंशी, नेकपाल सिंह खड़कवंशी, कैलाश खड्गवंशी, वासुदेव खड्गवंशी, शरीफ, नफीस अहमद, कुंवरपाल खड़कवंशी, परम सिंह खड़कवंशी, महेंद्र सिंह खड़कवंशी समेत अनेको ग्रामवासी उपस्थित रहे।

नवागत बीएसए वीरेन्द्र सिंह का शिक्षकों ने किया भव्य स्वागत

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनपद में नवागत बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) वीरेन्द्र सिंह के पदभार ग्रहण करने पर जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष मवासी सिंह आर्य के नेतृत्व में शिक्षकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर शिक्षकों ने माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए बीएसए वीरेन्द्र सिंह ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों को अपना

परिवार बताते हुए कहा कि प्रत्येक शिक्षक अपने दायित्वों का निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करें, ताकि शिक्षा के क्षेत्र में बुलंदशहर जनपद प्रदेश में अपनी अलग पहचान स्थापित कर सके। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। शिक्षकों द्वारा दी गई शिक्षा, संस्कार और मार्गदर्शन बच्चों के जीवन पर अमिट छाप छोड़ते हैं, जिन्हें वे जीवनभर याद रखते हैं। इसलिए शिक्षकों को अपने कर्तव्यों के प्रति सदैव सजग और समर्पित रहना चाहिए।

इस अवसर पर अनूपशहर, स्याना, बीबीनगर, खुर्जा, डिबाई, दानपुर, सिकंदराबाद सहित जनपद के विभिन्न विकास खंडों से आए शिक्षक एवं शिक्षक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने नवागत बीएसए का स्वागत करते हुए शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहयोग का भरोसा दिलाया।

एआई से अश्लील तस्वीरें बनाकर लड़कियों को करता था ब्लैकमेल, दिल्ली पुलिस ने शातिर को दबोच

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स के जरिये लड़कियों से संपर्क कर उन्हें बड़ी कंपनियों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उगाई करने वाले एक शातिर को उत्तरी जिला के साइबर सेल थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बातचीत के दौरान आरोपित लड़कियों की तस्वीरें खींच लेता था और बाद में उनकी तस्वीरों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए मार्फ्ड कर उन्हें ब्लैकमेल कर वसूली करना शुरू कर दिया था। गिरफ्तार आरोपित पहले भी जबरन वसूली और यौन उत्पीड़न के दो मामलों में शामिल रहा है। डीसीपी उत्तरी जिला राजा बांठिया के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपित का नाम सौरव है, वह भलस्वा डेरी इलाके का रहने वाला है। वह स्कूल ड्रापआउट है। फिलहाल वह एक प्राइवेट फाइनेंस कंपनी में काम करता था। यह आदतन अपराधी है। इससे पहले साल 2022 और 2023 में भी वह

भारत नगर और शाहदरा के साइबर थाने में जबरन वसूली, यौन उत्पीड़न और पीछा करने के मामलों में गिरफ्तार हो चुका है। आरोपित के पास से अपराध में इस्तेमाल एक मोबाइल फोन, एक सिमकार्ड और एक वाईफाई राउटर बरामद किया है। खुद को एक फाइनेंस कंपनी का बताता था कर्मचारी पुलिस अब यह पता लगा रही है कि आरोपित ने अब तक और कितनी लड़कियों को ठगी का शिकार बनाया है। पुलिस स से वारदात में इस्तेमाल एक मोबाइल फोन, सिम कार्ड और वाई-फाई राउटर बरामद किया है। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह खुद को एक फाइनेंस कंपनी का कर्मचारी बताता था और सोशल मीडिया के जरिये लड़कियों से संपर्क कर उन्हें बड़ी कंपनियों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर जाल में फंसा लेता था। सबसे पहले वह लड़कियों का भरोसा जीतकर उनका रिज्यूम मंगवा लेता था। इसके बाद वह "वीडियो वेरिफिकेशन" के बहाने लड़कियों से वीडियो काल पर बात करता था। वीडियो काल के दौरान वह स्क्रीनशाट ले लेता था और फिर एआई टूल्स की मदद से उन तस्वीरों को अश्लील तस्वीरों में बदल देता था। इसके बाद वह उन्हीं तस्वीरों को सोशल मीडिया पर प्रसारित करने की धमकी देकर उनसे मोटी रकम वसूलता था। मामले का भंडाफोड़ तब हुआ जब मल्कागंज की रहने वाली 19 वर्षीय छात्रा ने नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया कि उसे वाट्सएप पर एक अंजान नंबर से उसकी मार्फ्ड तस्वीर भेजी गई। ब्लैकमेलर ने उसे "लक्ष्य गर्ग" नाम की स्नैपचैट प्रोफाइल से संपर्क करने को कहा और फोटो डिलीट करने के बदले 30 हजार रुपये की मांग की। डर के मारे पीड़िता के परिवार ने क्सूआर कोड के जरिए पैसे ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद बीते फरवरी में आरोपित ने फिर से पीड़िता को ब्लैकमेल किया और 10 हजार रुपये और वसूल लिए। हद तो तब हो गई जब आरोपित ने पीड़िता पर उसकी अन्य सहेलियों के नंबर देने का दबाव बनाया।

स्वच्छ एवं विकसित भारत के निर्माण में सभी की सहभागिता आवश्यक:- संतोष वाल्मीकि

बुलन्दशहर (सब का सपना):- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संचालित विशेष अभियान 12 साल विश्वास, विकास एवं जनकल्याण के अंतर्गत खुर्जा नगर मंडल स्थित जटिया अस्पताल परिसर में स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री संतोष वाल्मीकि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि संतोष वाल्मीकि ने भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ स्वयं झाड़ू लगाकर अस्पताल परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत के निर्माण का संदेश दिया। इस अवसर पर अस्पताल परिसर की साफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला महामंत्री

संतोष वाल्मीकि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान देशव्यापी जनआंदोलन का स्वरूप ले चुका है। स्वच्छता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। स्वच्छ वातावरण से स्वस्थ समाज का निर्माण होता है और स्वस्थ समाज ही विकसित भारत की मजबूत नींव रखता है। हम सभी को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा समाज को इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के 12 वर्षों में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं तथा इसी भावना के साथ भाजपा कार्यकर्ता समाज के प्रत्येक वर्ग तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर खुर्जा नगर मंडल अध्यक्ष सचिन शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त की हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। स्वच्छता अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। स्वच्छता अभियान के उपरांत अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों को फल वितरित कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई। इस अवसर पर खुर्जा मंडल अध्यक्ष सचिन शर्मा, कार्यक्रम मंडल संयोजक लवेश सिंघल, जिला मंत्री गौरव मित्तल, जिला मीडिया प्रभारी अभिनव वर्मा, खुर्जा मंडल मीडिया प्रभारी प्रांशु बंसल, सोशल मीडिया प्रभारी प्रदीप कुमार, आईटी प्रभारी प्रिंस पाठक, राम दिवाकर, श्याम दिवाकर, अजय वाल्मीकि, विजय बासौर, त्रिवेंद्र राजोरा, चमन लाल जुनेजा (सभासद), सोनू पंडित (नगर उपाध्यक्ष), ब्रह्म प्रकाश वाल्मीकि, सुदेश वाल्मीकि, अभिषेक अग्रवाल, सचिन सोनी सहित एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

पश्चिमी दिल्ली को जाम-मुक्त बनाने की बड़ी पहल, सागरपुर-मायापुरी 4.3 किमी फ्लाईओवर पर जल्द लगेगी मुहर

नई दिल्ली। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने पश्चिमी दिल्ली के सबसे व्यस्त मार्गों में से एक को जाम-मुक्त बनाने के लिए सागरपुर से मायापुरी चौक तक 4.3 किलोमीटर लंबे प्रस्तावित फ्लाईओवर के निर्माण की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए पीडब्ल्यूडी द्वारा 1.38 करोड़ की अनुमानित लागत से व्यवहार्यता अध्ययन का काम शुरू किया गया है, जिसके लिए कंसल्टेंट्स और तकनीकी विशेषज्ञों की टीमों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

फ्लाईओवर मुख्य रूप से दो हिस्सों में बंटा होगा यह काम अब अंतिम चरण में है। जल्द ही इसकी रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाएगी। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य कॉरिडोर पर ट्रैफिक के दबाव का आकलन करना, विस्तृत ज्यामितीय और संरचनात्मक डिजाइन तैयार करना,

और सामाजिक-आर्थिक प्रभाव का मूल्यांकन करना है। यह प्रस्तावित फ्लाईओवर मुख्य रूप से दो हिस्सों में बंटा होगा। एक सागरपुर रेड लाइट से लाजवंती फ्लाईओवर तक का 900 मीटर का हिस्सा होगा। ढांचागत और तकनीकी चुनौतियां लाजवंती फ्लाईओवर से मायापुरी मेट्रो स्टेशन (चौक) तक का 3.4 किलोमीटर का हिस्सा होगा। हालांकि, इस मार्ग पर निर्माण कार्य शुरू करने में कई बड़ी ढांचागत और तकनीकी चुनौतियां शामिल हैं। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार प्रस्तावित फ्लाईओवर का मार्ग तिहाड़ जेल परिसर की चारदीवारी के बेहद करीब से गुजरेगा। पेड़ों को सुरक्षित ट्रांसप्लांट कर सकें इसके अलावा, इस कॉरिडोर के ऊपर से एक हाई-टेंशन बिजली लाइन भी निकल रही है, जिसके लिए विशेष इंजीनियरिंग और सुरक्षा मंजूरी की आवश्यकता होगी। इस मार्ग पर लगभग 300 पेड़ भी मौजूद हैं। कंसल्टेंसी एजेंसियां अध्ययन के दौरान यह भी रिपोर्ट तैयार करेंगी कि इनमें से कितने पेड़ों को सुरक्षित रूप से ट्रांसप्लांट (प्रत्यारोपित) किया जा सकता है। यात्रियों को मिलेगा भारी जाम से छुटकारा यह कदम दिल्ली सरकार के उस व्यापक मास्टर प्लान का हिस्सा है, जिसके तहत राजधानी की प्रमुख सड़कों को सिग्नल-फ्री और जाम-मुक्त बनाया जा रहा है। वर्तमान में, सागरपुर, डाबरी, और मायापुरी चौक के इस पूरे रूट पर पीक ऑवर्स के दौरान वाहनों की भारी कतारें लगी रहती हैं, जिससे लोगों का काफी समय बर्बाद होता है। फ्लाईओवर बनने के बाद द्वारका, जनकपुरी, और पश्चिमी दिल्ली से धौला कुआं, मध्य दिल्ली या रिंग रोड की तरफ आने-जाने वाले लाखों वाहन चालकों को बिना किसी रुकावट के सुगम सफर का लाभ मिलेगा।

जनहित के मुद्दों पर सपा का प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

बुलन्दशहर (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष मतलूब अली के नेतृत्व में हजारों की संख्या में पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने प्रदेश में बढ़ती महंगाई, गिरती कानून व्यवस्था, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं तथा अन्य जनहित के मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया। इसके बाद महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी बुलन्दशहर के माध्यम से प्रेषित किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष मतलूब अली ने कहा कि प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी, अपराध, भ्रष्टाचार, बिजली संकट एवं प्रशासनिक अव्यवस्थाओं से परेशान है। लगातार बढ़ती महंगाई से आम नागरिकों का जीवन प्रभावित हो रहा है, जबकि युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। ज्ञापन में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं पर रोक लगाने, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने, रिक्त सरकारी पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया शुरू करने तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की मांग की गई। इसके अलावा रसोई गैस, पेट्रोल, डीजल और आवश्यक खाद्य

वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण करने की मांग भी उठाई गई। सपा कार्यकताओं ने किसानों को पर्याप्त बिजली, खाद, बीज और सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराने, फसलों का उचित समर्थन मूल्य सुनिश्चित करने तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति की मांग की। साथ ही प्रदेश में बढ़ते अपराध, महिला उत्पीड़न, लूट, हत्या एवं भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा कानून व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

ज्ञापन में पीडीए समाज एवं अन्य कमजोर वर्गों के लोगों को फर्जी मुकदमों, उत्पीड़न और कथित फर्जी एनकाउंटर जैसी घटनाओं से सुरक्षा प्रदान करने तथा निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने की मांग भी की गई। इसके अतिरिक्त छात्र-छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति, उच्च शिक्षा और कौशल विकास योजनाओं के विस्तार की मांग रखी गई।

कार्यक्रम में हाजी अख्तर, जितेन्द्र यादव, महेन्द्र वाल्मीकि, होशियार सिंह, मुकेश शर्मा, अनिल चरौरा, चरन सिंह राजपूत, गजराज नागर, बंशी पहाड़िया, भारत सिंह गुर्जर सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभा का संचालन जिला महासचिव कृष्णपाल यादव ने किया।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा, पर्यावरण के प्रश्नों ने दी राहत तो गणित और रीजनिंग ने बढ़ाई चुनौती

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा के पहले दिन सोमवार को कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच अभ्यर्थियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा दी। पहली पाली की परीक्षा समाप्त होने के बाद केंद्रों से बाहर निकले अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र को लेकर मिश्रित प्रतिक्रिया व्यक्त की। अधिकांश अभ्यर्थियों का कहना था कि पर्यावरण विषय से जुड़े प्रश्न अपेक्षाकृत सरल रहे, जबकि गणित और रीजनिंग के प्रश्नों ने उन्हें काफी उलझाया। अभ्यर्थियों के अनुसार पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, जैव विविधता, जल संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से संबंधित प्रश्न सीधे और पाठ्यक्रम आधारित थे, जिन्हें हल करने में अधिक समय नहीं

लगा। इसके विपरीत गणित के कई प्रश्न घुमावदार और समय लेने वाले थे। रीजनिंग खंड में भी तार्किक विश्लेषण और जटिल प्रश्नों ने परेशान किया। आलमबाग के जनता इंटर कालेज से परीक्षा देकर बाहर निकले अभ्यर्थी अंकित यादव ने बताया कि पैसेज आधारित प्रश्नों को हल करने में कोई दिक्कत नहीं हुई। गणित के प्रश्न कठिन और घुमावदार थे।चारबाग के खालसा इंटर कालेज में परीक्षा देने आए राहुल वर्मा व प्रिया सिंह और श्वेता वर्मा समेत कई विद्यार्थियों ने हिंदी और सामान्य ज्ञान के प्रश्नों को सरल बताया। कौन सा प्लेट फार्म मुख्य रूप से पेशेवर नेटवर्किंग के लिए उपयोग किया जाता है।

प्रहार रणनीति का भारत में मुख्य उद्देश्य क्या सुनिश्चित करता है। जैसे प्रश्न बौद्धिक क्षमता के लिए चुनौती बने रहे। पेड़ से क्या क्या मिलता है।यह भी प्रश्न आया कि पौधारोपण क्यों जरूरी है। जैसे प्रश्न काफी राहत देने वाले थे। परीक्षा केंद्रों पर पुलिस और प्रशासन की ओर से व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की गहन जांच की गई और निर्धारित समय के बाद किसी को प्रवेश नहीं दिया गया। खालसा इंटर कालेज के प्रधानाचार्य विरेंद्र सिंह ने बताया कि नियमानुसार बेल्ट, चेन, जूता-मोजा सब बाहर रखवाया गया। मोबाइल फोन और बैग जमा करने के लिए निश्शुल्क व्यवस्था की गई।

खबर एक्सप्रेस

अमृतसर की असला शाखा में पिस्तौल जांच के दौरान चली गोली, पुलिसकर्मी घायल

अमृतसर। अमृतसर शहर के पुलिस कार्यालय परिसर में सोमवार असला शाखा में एक लाइसेंसी पिस्तौल की जांच के दौरान अचानक गोली चल गई। इस हादसे में नारायण दास नामक कर्मचारी घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया और घायल को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस आलम विजय के कार्यालय परिसर में स्थित असला शाखा में हुई। बताया जा रहा है कि एक व्यक्ति अपने लाइसेंसी हथियार की जांच और औपचारिक प्रक्रिया पूरी करवाने के लिए वहां पहुंचा था। नियमानुसार हथियार की जांच की जा रही थी। इसी दौरान 32 बोर की पिस्तौल से अचानक गोली चल गई।पुलिसकर्मी कर रहा था हथियार की जांच प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जब पुलिसकर्मी हथियार की जांच कर रहा था, तभी पिस्तौल से फायर हो गया। गोली सामने कुर्सी पर बैठे नारायण दास को जा लगी। गोली लगते ही कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों और लोगों में हड़कंप मच गया। घायल कर्मचारी को तत्काल प्राथमिक सहायता उपलब्ध करवाई गई और बाद में अस्पताल भेज दिया गया।वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। पुलिस अधिकारियों ने घायल कर्मचारी के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के साथ-साथ घटना के कारणों की जांच भी शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर इसे हादसा माना जा रहा है, हालांकि यह भी जांच की जा रही है कि हथियार की जांच के दौरान सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन किया गया था या नहीं।

जालंधर में दर्दनाक हादसा, पति के साथ स्कूटर पर जा रही महिला को ट्रक ने कुचला, मौके पर मौत

जालंधर। पंजाब के जालंधर शहर में लम्मा पिंड चौक के नजदीक सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब महिला अपने पति के साथ स्कूटर पर जा रही थी। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उनके वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि महिला सड़क पर गिर गई और उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। गंभीर चोटों के कारण महिला की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत महिला की मदद करने का प्रयास किया, लेकिन सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी जान नहीं बच सकी। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए।पुलिस ने जांच की शुरू घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा हादसे से जुड़े साक्ष्य एकत्र किए। वहीं महिला के शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया भी पूरी की जा रही है।चालक मौके से फरार बताया जा रहा है कि हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। अधिकारियों का कहना है कि चालक की तलाश के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतका के परिवार में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने भी घटना पर दुख जताते हुए क्षेत्र में बढ़ते सड़क हादसों पर चिंता व्यक्त की है।

गैस, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों पर भड़के किसान, पंजाब के 22 जिलों में केंद्र व पंजाब सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

अमृतसर। किसान संगठनों ने खाद संकट, बढ़ती महंगाई, भूमि अधिग्रहण और कृषि नीतियों के मुद्दे पर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार तथा पंजाब की भगवंत मान सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि किसानों और आम लोगों के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर देशभर में जागरूकता अभियान और विरोध कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में पंजाब के 22 जिलों की 74 जगहों पर भी प्रदर्शन और जनसंपर्क अभियान आयोजित किए गए। सरवन सिंह पंधेर ने आरोप लगाया कि पंजाब में यूरिया खाद की भारी कमी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद लेने के साथ अन्य गैर-जरूरी वस्तुएं खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है।कई स्थानों पर किसानों से अतिरिक्त पैसे वसूले जा रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक परेशानियां और बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि खेती से जुड़े आवश्यक संसाधनों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ रहा है।पेट्रोल, डीजल व गैस की बढ़ती कीमतों पर भड़के किसान नेता ने महंगाई के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों ने आम लोगों का बजट बिगाड़ दिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि बढ़ती महंगाई के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेता चुप क्यों हैं। सभा को संबोधित करते हुए पंधेर ने विभिन्न राज्यों में किसानों की जमीनें अधिग्रहित किए जाने के मामलों पर भी चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों की जमीनों को बचाने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए जा रहे। साथ ही भारत-अमेरिका कृषि समझौते को लेकर भी उन्होंने गंभीर आशंका व्यक्त की।समझौतों का नकारात्मक प्रभाव उनका कहना था कि यदि ऐसा समझौता लागू होता है तो पंजाब की कृषि व्यवस्था और किसानों की आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने मांग की कि कृषि क्षेत्र को ऐसे समझौतों से बाहर रखा जाए। इसके अलावा उन्होंने पंजाब में चल रहे बेरोजगार, कर्मचारी और अन्य संगठनों के आंदोलनों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग और दबाव की नीति बंद होनी चाहिए। सरकार को विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों से बातचीत कर उनकी जायज मांगों का समाधान निकालना चाहिए। किसान नेता ने कहा कि किसानों, मजदूरों और आम लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने सरकारों से कृषि और जनहित से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की।

पंजाब के तरनतारन में शादी से मना करने पर छात्रा ने की आत्महत्या, बॉयफ्रेंड के खिलाफ केस दर्ज

तरनतारन। गांव शेरों निवासी नर्सिंग की छात्रा गीतिका ने धोखेबाज प्रेमी से तंग आकर गले में रस्सी डालकर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने थाना मजीठा के गांव बल कलां निवासी रजिंदर सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। महिला बलविंदर कुमारी ने बताया कि पति अयुद्धिया नाथ का देहांत हो चुका है। उसकी 23 वर्षीय बेटी गीतिका गांव उसमां स्थित माई भागो कालेज में नर्सिंग की छात्रा थी। गांव बल कलां निवासी रजिंदर सिंह नामक युवक के साथ गीतिका की दोस्ती थी।गीतिका के साथ रजिंदर फोन पर बातें करता रहता था। वह दो-तीन बार गीतिका के घर आकर बाकायदा खाना भी खा चुका था। बलविंदर कुमारी ने बताया कि जब उसे पता चला कि दोनों एक-दूसरे को पसंद करते हैं तो उसने विवाह की सहमति जताई।गीतिका भी रजिंदर सिंह को प्यार करती थी। शनिवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे गीतिका कालेज से घर आई। उसने बताया कि रजिंदर ने विवाह से मना कर दिया है। महिला ने बेटी को समझाया व दुकान पर चली गई। शाम को लौटी तो देखा गीतिका ने गले में रस्सी डालकर फंदा लगा लिया था। थाना सरहाली के प्रभारी बिंदरजीत सिंह ने बताया कि शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा दिया गया है।

नीट विवाद पर मुख्यमंत्री मान फिर बरसे, बोले- एक परीक्षा भी पारदर्शी ढंग से नहीं करा सकी केंद्र

चंडीगढ़। रोजगार मिशन के तहत विभिन्न विभागों में चयनित 355 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करने पहुंचे पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान एक बार फिर नीट (एनईईटी) परीक्षा को लेकर केंद्र सरकार पर बरसे। उन्होंने केंद्र सरकार को नीट परीक्षा को लेकर घेरते हुए कहा कि केंद्र सरकार एक परीक्षा भी पारदर्शी तरीके से कराने में सफल नहीं हो रही है। सेक्टर-35 स्थित नगर भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में सरकारी नौकरियों के लिए जितनी भी परीक्षाएं आयोजित की गई हैं, वे पूरी पारदर्शिता के साथ करवाई गईं और उनके परिणाम भी निष्पक्ष ढंग से घोषित किए गए। इसके विपरीत, राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली नीट परीक्षा लगातार विवादों और पेपर लीक के आरोपों से घिरी रही है।मुख्यमंत्री मान ने कहा कि वर्ष 2017 से अब तक देश में विभिन्न भर्ती एवं प्रवेश परीक्षाओं के 93 पेपर लीक होने के मामले सामने आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि इससे देश के लाखों युवाओं का मनोबल प्रभावित हुआ है और उनके भविष्य को लेकर अनिश्चितता पैदा हुई है। मान ने कहा कि केंद्र सरकार की इस विफलता से युवा पीढ़ी में निराशा बढ़ रही है।पंजाब में एक भी नीट परीक्षा लीक नहीं हुई उन्होंने दावा किया कि पंजाब में अब तक नीट परीक्षा का कोई पेपर लीक नहीं हुआ है। राज्य सरकार युवाओं को बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार के कारण पंजाब के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी जेईई, नीट तथा अन्य प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और अच्छे रैंक हासिल कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि यह उनके पेशेवर जीवन की नई शुरूआत है। उन्होंने कहा कि सरकार योग्यता के आधार पर भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ा रही है, जिससे युवाओं का सरकारी तंत्र पर भरोसा मजबूत हुआ है।पारदर्शी ढंग से भर्ती प्रक्रिया रहेगी जारी
कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों में चयनित 355 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता पर लगातार काम कर रही है और भविष्य में भी इसी तरह पारदर्शी ढंग से भर्ती प्रक्रियाएं जारी रहेंगी।
उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार का उद्देश्य युवाओं को शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करना है, ताकि वे अपनी प्रतिभा के बल पर आगे बढ़ सकें और राज्य के विकास में योगदान दे सकें।

अबोहर में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो बनी काल, बाइक को मारी टक्कर; पांच बच्चों के पिता की मौत

अबोहर। पंजाब के अबोहर में मलोट मार्ग पर सोमवार सुबह हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच बच्चों के पिता की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा गांव बल्लूआना के निकट हुआ, जहां एक तेज रफ्तार स्कार्पियो वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार बलवीर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी अमरजीत गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और एंबुलेंस की सहायता से घायल को अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे फरीदकोट रेफर कर दिया।यूनिवर्सिटी काम के लिए

जा रहा था बलवीर
मृतक के बड़े भाई सुरतीज सिंह ने बताया कि बलवीर सिंह तारबंदी का काम करता था। सोमवार सुबह वह अपने साथी अमरजीत के साथ बाइक पर सवार होकर बठिंडा स्थित विश्वविद्यालय में काम के लिए जा रहा था। जब वे गांव बल्लूआना के निकट पहुंचे तो पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार स्कार्पियो ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।परिजनों के अनुसार हादसे के समय दोनों मजदूर रोजी-रोटी कमाने के लिए काम पर जा रहे थे। मृतक के रिश्तेदार मक्खन सिंह ने बताया कि बलवीर सिंह अपने पीछे पत्नी और पांच बच्चों का परिवार छोड़ गया है। उसकी अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर के मुख्य कमाऊ सदस्य के चले जाने से परिवार की आर्थिक स्थिति को लेकर भी चिंता बढ़ गई है।पुलिस ने जांच की शुरू
घटना की सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य अस्पताल पहुंचे। वहीं गांव में भी शोक की लहर फैल गई। लोगों ने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और दोषी चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। थाना सदर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। परिजनों का आरोप है कि हादसे के लिए तेज रफ्तार और लापरवाही जिम्मेदार है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि टक्कर मारने वाले वाहन चालक की पहचान कर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अमृतसर मेहता चौक पहुंचे महाराष्ट्र के मंत्री, ऑपरेशन ब्लू स्टार बरसी पर बोले- इंदिरा गांधी ने जब्री सेना भेजी

अमृतसर। अमृतसर जिले के मेहता चौक स्थित दमदमी टकसाल मुख्यालय में आयोजित ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी संबंधी कार्यक्रम में महाराष्ट्र सरकार के जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन विशेष रूप से

शामिल हुए। यहां आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने दावा किया कि इंदिरा गांधी ने 6 जून 1984 को जब्री सेना श्री हरिमंदिर साहिब में भेजी। उनके इस भाषण से राज्य में नई बहस छिड़ गई है। बताया जा रहा है कि किसी राज्य सरकार के प्रतिनिधि के रूप में इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले वह पहले मंत्री हैं। उनके साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री सहायता प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. रमेश्वर नाइक भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के लिए बनाए गए मंच पर जरनैल सिंह भिंडरांवाले, जनरल सुबेग सिंह, अमरीक सिंह तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों के चित्र लगाए गए थे। इसके अलावा सैन्य कार्रवाई के बाद क्षतिग्रस्त हुए अकाल तख्त साहिब का चित्र भी प्रदर्शित किया गया था। गुरुओं की शिक्षाओं से प्रेरणा लेने को कहा अपने संबोधन के दौरान मंत्री ने महाराष्ट्र में सिख गुरुओं की विरासत तथा सिख इतिहास से जुड़े विभिन्न धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं की शिक्षाएं मानवता, सेवा और भाईचारे का संदेश देती हैं, जिनसे नई पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए।इस दौरान उन्होंने पंजाब में बढ़ती नशे की समस्या पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने संत समाज, धार्मिक नेताओं और सामाजिक संगठनों से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा उन्हें इस बुराई से दूर रखने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में संगत, धार्मिक प्रतिनिधि और विभिन्न क्षेत्रों से आए लोग उपस्थित रहे।

पंथक राजनीति में नया मोड़, कल वारिस पंजाब दे में शामिल होंगे मनप्रीत अयाली, लुधियाना के दाखा से हैं विधायक

चंडीगढ़। पंजाब की पंथक राजनीति में सोमवार को बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला। दाखा से विधायक और वरिष्ठ अकाली नेता मनप्रीत सिंह अयाली ने अपनी नई राजनीतिक पारी शुरू करने का फैसला कर लिया है। वह कल अकाली दल (वारिस पंजाब दे) में औपचारिक रूप से शामिल होंगे। पार्टी के प्रवक्ता प्रगट सिंह मियाँविंड ने इसकी पुष्टि की है। अयाली के इस कदम को आगामी विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब की राजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। मनप्रीत सिंह अयाली लंबे समय तक शिरोमणि अकाली दल (बादल) के प्रमुख नेताओं में शामिल रहे हैं। बाद में उन्होंने शिरोमणि अकाली दल (पुनर सुरजीत) का दामन थामा था, लेकिन संगठन के भीतर बढ़ते मतभेदों के चलते कुछ समय पहले सभी पदों से इस्तीफा देकर पार्टी से दूरी बना ली थी।इस्तीफे के समय अयाली ने स्पष्ट कहा था कि वह कांग्रेस, आम आदमी पार्टी या भाजपा में शामिल नहीं होंगे, बल्कि पंथक राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए काम करेंगे।बयान के बाद मिले थे पार्टी जॉइन करने के संकेत अयाली के इस बयान के बाद से ही उनके वारिस पंजाब दे के साथ जाने की चर्चाएं तेज हो गई थीं। राजनीतिक हलकों में यह भी माना जा रहा था कि सांसद अमृतपाल सिंह और उनके संगठन के प्रति अयाली का सकारात्मक रुख भविष्य के किसी राजनीतिक समीकरण का संकेत है। अब उनके पार्टी में शामिल होने के साथ इन अटकलों पर मुहर लग गई है।अयाली की एंट्री से अकाली दल (वारिस पंजाब दे) को मालवा क्षेत्र में बड़ा राजनीतिक लाभ मिल सकता है। अयाली की पहचान केवल पंथक नेता के रूप में नहीं, बल्कि क्षेत्र में मजबूत जनाधार रखने वाले नेता के तौर पर भी है। ऐसे में पार्टी को पारंपरिक पंथक वोटों के साथ-साथ अन्य वर्गों के मतदाताओं तक पहुंच बनाने में मदद मिल सकती है।पकड़ मजबूत करने में जुटी पार्टी
वर्तमान समय में माझा और मालवा के कई क्षेत्रों में वारिस पंजाब दे संगठन अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने में जुटा हुआ है। अयाली जैसे अनुभवी नेता के शामिल होने से संगठन को नई ताकत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं, इस घटनाक्रम ने शिरोमणि अकाली दल समेत अन्य दलों की राजनीतिक रणनीतियों पर भी असर डालने के संकेत दे दिए हैं।
पंजाब में विधानसभा चुनावों की तैयारियां धीरे-धीरे गति पकड़ रही हैं। ऐसे में मनप्रीत सिंह अयाली का यह फैसला पंथक राजनीति के नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह नया राजनीतिक समीकरण राज्य की सियासत को किस दिशा में ले जाता है।

सीमा पार से आ रहे थे हथियार, अफगान नागरिक समेत चार आरोपी अमृतसर पुलिस ने पकड़े; 8 आधुनिक पिस्टल जब्त

अमृतसर। अमृतसर पुलिस को संगठित अपराध और अवैध हथियार तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने सीमा पार संचालित किए जा रहे एक कथित अवैध हथियार तस्करी और हवाला नेटवर्क का पदार्फाश करते हुए एक अफगान नागरिक सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आठ अत्याधुनिक पिस्तौल और सात जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी एक विदेशी तस्कर के संपर्क में थे। आरोप है कि विदेशी तस्कर की ओर से अवैध हथियारों की खेप गुप्त ड्रॉप प्वाइंट के माध्यम से पंजाब तक पहुंचाई जाती थी। इसके बाद इन हथियारों को आपराधिक तत्वों तक पहुंचाया जाता

था, जहां से आगे उनका वितरण किया जाता था।हवाला लेन-देन के संकेत भी मिले
जांच एजेंसियों को आशंका है कि यह नेटवर्क केवल हथियारों की तस्करी तक सीमित नहीं था, बल्कि हवाला लेनदेन के जरिए आर्थिक गतिविधियां भी संचालित कर रहा था। पुलिस अब इस नेटवर्क के वित्तीय लेनदेन और उससे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।पुलिस ने बताया कि मामले में इस्लामाबाद और गेट हकीमा थाना क्षेत्रों में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और उनसे मिले सुरागों के आधार पर नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।विदेशी तस्करों पर विशेष फोकस अधिकारियों के मुताबिक जांच का मुख्य फोकस नेटवर्क के पीछे मौजूद विदेशी तस्करों, स्थानीय सहयोगियों और हथियारों की सप्लाई चेन को पूरी तरह उजागर करना है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि अब तक कितनी हथियार खेपें पंजाब पहुंचाई गईं और उनका इस्तेमाल किन लोगों द्वारा किया गया। पुलिस का कहना है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और गिरफ्तारियां तथा बरामदगी होने की संभावना है। जांच के दौरान नेटवर्क की पिछली और आगे की कड़ियों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि पूरे गिरोह को कानून के शिकंजे में लाया जा सके।

जर्मनी में पंजाब के युवक की हत्या, 10 साल पहले बेहतर भविष्य के लिए छोड़ा था घर

भुलत्थ(कपूरथला)। कपूरथला जिले की भुलत्थ उपमंडल के गांव रामगढ़ से जुड़ी एक दुखद खबर सामने आई है। गांव के मूल निवासी 30 वर्षीय युवक राजविंदर सिंह की जर्मनी में कथित तौर पर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में शोक की लहर दौड़ गई और पूरे गांव में मातम का माहौल है। मृतक के पिता जरनैल सिंह ने बताया कि उनका बेटा करीब 10 वर्ष पहले बेहतर भविष्य की तलाश में जर्मनी गया था। वहां वह स्थायी रूप से बस गया था और जर्मनी की नागरिकता भी प्राप्त कर चुका था। परिवार के अनुसार राजविंदर सिंह मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार की आर्थिक सहायता करता था और नियमित रूप से अपने परिजनों के संपर्क में रहता था।मंदिर की अध्यक्षता

को लेकर हुआ था विवाद
जरनैल सिंह ने बताया कि दो दिन पहले उन्हें फोन पर सूचना मिली कि जर्मनी में मंदिर की अध्यक्षता को लेकर कुछ युवकों के बीच विवाद हो गया था। बताया गया कि राजविंदर सिंह विवाद को शांत कराने और दोनों पक्षों के बीच समझौता करवाने के लिए वहां पहुंचा था। इसी दौरान कथित तौर पर हरियाणा से संबंधित कुछ युवकों ने चार लोगों पर तेजधार हथियारों से हमला कर दिया।परिवार का आरोप है कि इस हमले में राजविंदर सिंह के सिर पर गंभीर चोट लगी। घायल अवस्था में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां दो दिन तक उसका इलाज चलता रहा। हालांकि चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।गांव में शोक की लहर
घटना की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। गांव रामगढ़ में भी शोक का माहौल है और बड़ी संख्या में लोग परिवार के घर पहुंचकर संवेदनाएं व्यक्त कर रहे हैं। परिजन अब अपने बेटे के अंतिम दर्शन की आस लगाए बैठे हैं।
मृतक के पिता ने भारत सरकार से मांग की है कि उन्हें अपने बेटे के अंतिम संस्कार के लिए जर्मनी जाने की अनुमति दिलाई जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि यदि संभव हो तो राजविंदर सिंह का शव उसके पैतृक गांव रामगढ़ लाने की प्रक्रिया में सहायता की जाए ताकि परिवार और रिश्तेदार अंतिम संस्कार में शामिल हो सकें।

मोरनी हिल्स वन भूमि सर्वे में तेजी लाने का आदेश, हरियाणा सरकार तैनात करेगी 60 रिटायर्ड पटवारी और 4 कानूनगो

चंडीगढ़। मोरनी हिल्स क्षेत्र में वन भूमि के सर्वे और सीमांकन कार्य में हो रही देरी पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा सरकार को 60 सेवानिवृत्त पटवारी और चार कानूनगो उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि वन क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य को कर्मचारियों की कमी के कारण अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रखा जा सकता। 15 मई को मामले की सुनवाई के दौरान वन बंदोबस्त अधिकारी (फॉरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर) एमपी शर्मा द्वारा दायर शपथपत्र अदालत के समक्ष रखा गया।याची के वकील सजल बंसल और दिपाशु बंसल ने कोर्ट को बताया कि मोरनी हिल्स क्षेत्र में सर्वे और सेटलमेंट का कार्य शुरू तो कर दिया गया है, लेकिन राजस्व विभाग में पर्याप्त कर्मचारियों की उपलब्धता नहीं होने के कारण काम बेहद धीमी गति से चल रहा है। सुनवाई के दौरान हरियाणा सरकार की ओर से अदालत को 12 मई 2026 को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक के मिनट्स भी दिखाए गए। यह बैठक प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स) की अध्यक्षता में हुई थी। बैठक में निर्णय लिया गया कि वन बंदोबस्त अधिकारी की सहायता के लिए सरकार के निदेशों के अनुरूप 60 सेवानिवृत्त पटवारी और चार कानूनगो उपलब्ध कराए जाएंगे ताकि सर्वेक्षण और सीमांकन कार्य में तेजी लाई जा सके। खंडपीठ ने इस निर्णय को रिकार्ड पर लेते हुए कहा कि अब इस प्रस्ताव को केवल कागजों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। अदालत ने निर्देश दिया कि सभी 60 रिटायर्ड पटवारी और चार कानूनगो एक सप्ताह के भीतर वन बंदोबस्त अधिकारी को उपलब्ध कराए जाएं, ताकि मोरनी हिल्स में चल रहा सर्वे और सेटलमेंट कार्य तेजी से आगे बढ़ सके।
मोरनी हिल्स हरियाणा का एकमात्र पर्वतीय क्षेत्र है और यहां बड़ी मात्रा में वन भूमि मौजूद है।हाईकोर्ट ने 20 जून 2025 को विजय बंसल मामले में अंतिम आदेश पारित करते हुए कहा था कि ट्राईसिटी के "फेफड़े" मोरनी हिल्स की अधिसूचित भूमि को वन अधिनियम, 1927 की धारा 20 के तहत 31 दिसंबर 2025 तक रिजर्व फारेस्ट घोषित किया जाए। इसके लिए फॉरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को तत्काल सर्वे, डिमार्केशन, नक्शा, जांच, भूमि अधिग्रहण और सिविल कोर्ट जैसी शक्तियों के साथ रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही क्षेत्र में सभी गैर-वन गतिविधियों पर रोक तब तक जारी रखने को कहा गया था, जब तक धारा 20 की अधिसूचना जारी न हो जाए। मामले की सुनवाई 24 जुलाई को होगी जिसमें सरकार की तरफ से इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट दायर की जाएगी।

घर पर बनाएं कैफे जैसी होममेड आइस्क्रीम, फैमिली के साथ उठाएं इसका लुत्फ

गर्मियों में आइस्क्रीम खाना भला किसे नहीं पसंद होता है। गर्मी में खुद को फ्रेश रखने के लिए ठंडी, क्रीमी और स्वादिष्ट चीज खाने के क्रेविंग बढ़ जाती है। ऐसे में हम कुछ न कुछ अपनी डाइट में ऐसा शामिल करते हैं, जिसका स्वाद लेना किसी जादू से कम नहीं होता है। लेकिन रोजाना आर्टिफिशियल फ्लेवर लेना हमारे लिए अच्छा नहीं होता है। ऐसे में आप अपने घर पर कुछ नया और अच्छा बना सकते हैं।

बता दें कि अगर आप कॉफी लवर हैं और आइस्क्रीम खाना पसंद करते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आप इस मजेदार कॉम्बिनेशन को ट्राई कर सकते हैं और घर पर ही कुछ चीजों की मदद से आइस्क्रीम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको चीनी, पानी, दूध, कॉफी और क्रीम जैसी चीजों की जरूरत होगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको होममेड आइस्क्रीम की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री
कॉफी पाउडर- 1 पैकेट या 2 चम्मच
चीनी- आधा कप
पानी- आधा कप
दूध- 1 कप
क्रीम- आधा कप
चॉकलेट चिप- आधा कप
वैनिला एसेंस- आधा कप
होममेड आइसक्रीम

सबसे पहले ऊपर बताई गई सभी सामग्रियों को तैयार रखें। अब एक बाउल में गुनगुने पानी में कॉफी पाउडर और चीनी डालकर अच्छे से घोल लें।

फिर इन सभी सामग्रियों को अच्छे से मिलाएं। वहीं दूसरे बाउल में क्रीम, दूध और बाकी का सामान डालकर अच्छे से मिलाएं। आप चाहें तो इसमें वैनिला एसेंस भी मिला सकते हैं।

इसके बाद एक चम्मच की सहायता से सभी चीजों को मिलाएं और फिर दोनों को एक साथ मिक्स कर दें। अब तैयार हुए मिश्रण को एक एयरटाइट कंटेनर में डालें और ढक्कन लगाकर करीब 6-8 घंटे या फिर पूरी रात फ्रीजर में जमने के लिए रख दें।

वहीं अगर आपको ज्यादा क्रीमी टेक्सचर चाहिए, तो आपको 2-3 घंटे बाद फ्रीजर से मिक्सचर को निकालकर फिर से फेंटें और दोबारा फ्रीज करें।

जब आइस्क्रीम अच्छे से जम जाए तो स्कूप निकालें और फिर ऊपर से थोड़ा सा इंस्टेंट कॉफी पाउडर या चॉकलेट चिप्स डालकर सर्व करें।

अगर आप कॉफी लवर हैं और आइस्क्रीम खाना पसंद करते हैं, तो आप इस मजेदार कॉम्बिनेशन को ट्राई कर सकते हैं और घर पर ही कुछ चीजों की मदद से आइस्क्रीम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको चीनी, पानी, दूध, कॉफी और क्रीम जैसी चीजों की जरूरत होगी।

होंठों का रंग पड़ने लगा है काला? सुर्ख गुलाबी और मुलायम लिप्स के लिए अपना लें ये 5 आसान तरीके

कहते हैं कि होठों की खूबसूरती चेहरे की खूबसूरती बढ़ाती है और काले होंठ चेहरे की खूबसूरती कम कर देते हैं। यदि होंठ गुलाबी और मुलायम हों तो मुस्कान भी अधिक आकर्षक लगती है। लेकिन कई कारणों से होंठों का रंग काला पड़ सकता है, जैसे धूप में ज्यादा रहना, कम पानी पीना, धूम्रपान करना, ज्यादा चाय-कॉफी पीना या खराब लिप प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना।

ऐसे कई लोग हैं जो अपने होठों को प्राकृतिक रूप से गुलाबी बनाने के लिए बाजार में मौजूद महंगे उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं लेकिन उन्हें कोई फर्क नजर नहीं आता। अगर आप भी उन लोगों में से हैं जिन्होंने अपने काले होठों पर काफी पैसे खर्च कर दिए हैं और होठों के कालेपन में कोई सुधार नहीं हुआ है तो आइए जानते हैं ऐसे 5 टिप्स के बारे में जिन्हें अपनाकर आप प्राकृतिक गुलाबी होंठ पा सकते हैं।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा में मौजूद एलिसिन त्वचा का रंग हल्का करने में मदद करता है। रोजाना होठों पर ताजा एलोवेरा जेल लगाएं और 15-20 मिनट बाद धो लें। यह होठों को मुलायम और गुलाबी बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही यह होठों को नमी प्रदान करने में भी मदद करता है।

नींबू का रस

नींबू में प्राकृतिक ब्लीचिंग गुण होते हैं। रोजाना रात को सोने से पहले अपने होठों पर ताजा नींबू का रस लगाएं और सुबह इसे धो लें। यह धीरे-धीरे होठों का कालापन कम कर देता है।

शहद और चीनी

1 चम्मच शहद में 1 चम्मच चीनी मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे अपने होठों पर हल्के हाथों से रगड़ें और कुछ मिनट बाद धो लें। यह मृत कोशिकाओं को हटाता है और होंठों को मुलायम बनाता है। इसके साथ ही यह आपके होठों को प्राकृतिक रूप से गुलाबी बनाने में भी मदद करता है।

चुकंदर का रस

चुकंदर का जूस एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और होठों को गुलाबी रंग देता है। होठों पर ताजा चुकंदर का रस लगाएं और 15-20 मिनट बाद धो लें या रात भर के लिए छोड़ दें। इससे आपके होठों को प्राकृतिक गुलाबी रंग मिलेगा।

हल्दी

हल्दी त्वचा का कालापन कम करने में मदद करती है। थोड़ी सी हल्दी को दूध या शहद में मिलाकर पेस्ट बना लें और होठों पर लगाएं। 5-10 मिनट बाद धो लें। नियमित उपयोग से होठों का रंग हल्का हो सकता है। इसके साथ ही आपके होंठ मुलायम भी हो जाएंगे।

धूम्रपान बिलकुल न करें।

सस्ते लिपस्टिक और लिप बाम का प्रयोग न करें।

बार-बार होठों पर जीभ न लगायें।

घर से बाहर निकलते समय न केवल चेहरे पर बल्कि होठों पर भी सनस्क्रीन लगाएं।

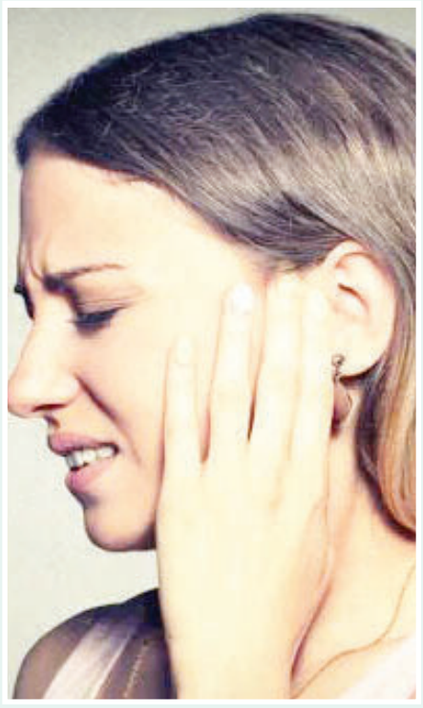

कानों पर आने वाले बालों को कैसे करें साफ?

इन घरेलू उपायों से आसानी से हो जाएंगे क्लीन

कानों के आसपास अनचाहे बाल होना आम बात है, लेकिन ये बाल चेहरे की सुंदरता को कम करते हैं। आप इन अनचाहे बालों को घर पर ही देसी तरीके से हटा सकते हैं।

कानों के आस-पास कई बार अनचाहे बाल हो जाते हैं। पुरुषों में तो इस तरह की समस्याएं सामान्य तौर पर देखने को मिल ही जाती हैं, लेकिन कई बार महिलाओं में भी हार्मोनल बदलाव के कारण कानों पर बाल उगने लगते हैं, जो चेहरे की सुंदरता को कम करते हैं। वैसे तो कानों पर आने वाले बालों को हटाने के लिए मार्केट में कई तरह की क्रीम मौजूद हैं, लेकिन आप इन अनचाहे बालों को आसानी से घरेलू उपाय से भी हटा सकते हैं।

नींबू और शहद का करें उपयोग

कानों पर आए अनचाहे बालों को आप नींबू और शहद की मदद से आप आसानी से हटा सकते हैं। इसके लिए आप एक चम्मच नींबू का रस और दो चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे कानों के बालों पर लगाएं और 20 मिनट बाद पानी से धो लें। यह उपाय हफ्ते में 2 बार करें। इससे बाल तो कम होंगे ही, साथ ही साथ हेयर ग्रोथ भी कम हो जाएगा।

बेसन और हल्दी का पैक

कानों पर आए बालों को हटाने के लिए आप बेसन और हल्दी के पैक का उपयोग कर सकते हैं। इसका उपयोग पुराने समय से बालों को हटाने के लिए किया जाता रहा है। इसको बनाने के लिए आप एक चम्मच बेसन, आधा चम्मच हल्दी और थोड़ा दूध मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लें और इसे कानों पर लगाकर सूखने दें। कुछ समय के बाद इसको हल्के हाथों से रगड़कर हटाएं। इससे बाल कम हो जाएंगे।

घर पर बनाएं वैक्स

बालों को हटाने के लिए आप घर पर ही एक हेयर रिमूवल वैक्स भी तैयार कर सकते हैं। इसको बनाने के लिए आप शक्कर, नींबू का रस और पानी को मिलाकर गर्म करें और एक गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे कान के बालों पर लगाएं और एक साफ कपड़े से इसको हटा लें।

बच्चों को हेल्दी और फिट रखने के लिए उनकी डाइट का रखें खास ख्याल, अपनाएं ये टिप्स

हर पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा फिट और हेल्दी रहे ताकि उसको ग्रोथ अच्छे से हो सके. लेकिन बच्चों को हेल्दी रखना किसी टॉस्क से कम नही है. खासतौर से जब बात आती है खानपान की तो बच्चों को हेल्दी खाना अमूमन पसंद नही आता है. हरी सब्जियां और दाल जैसी चीजें जो पोषक तत्वों से भरपूर होती है बच्चे उनको खाने में मुंह बनाते हैं. अनहेल्दी खाने की चीजों जैसे की जंक फूड और पैकेज्ड फूड की तरफ उनका रूझान ज्यादा रहता है. यह चीजें सही ग्रोथ और शरीर मजबूत बनाने से रोक सकती हैं. ऐसे में बच्चों की खास देखभाल करने की जरूरत होती है, जिसमें डाइट और लाइफस्टाइल पर ध्यान देना जरूरी है.

आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंग जो आपके बच्चों को हेल्दी रखने में मदद कर सकते हैं.

हेल्दी ब्रेकफास्ट

बच्चे के ब्रेकफास्ट में हमेशा हेल्दी चीजों को ही शामिल करें. अमूमन घरों में नाश्ते में ब्रेड-बटर या फिर रेडी टू ईट चीजों का सेवन किया जाता है. जिससे बच्चों से सही से पोषण नहीं मिल पाता है. ऐसे में आप उनके लिए घर में ही हेल्दी चीजें बनाएं. आप उन्हें नाश्ते में इडली, डोसा, उपमा या पोहा उन्हें दे सकते हैं.

घर में बनाएं स्प्रेड

अगर आपके बच्चे को चॉकलेट स्प्रेड, जैम और केचप खाना पसंद है तो इन चीजों को बाजार से खरीदने की बजाय घर पर ही बनाने की कोशिश करें. क्योंकि बाहर मिलने वाली चीजों में प्रिजर्वेटिव होते हैं जो सेहत के लिए अच्छे नहीं पाए जाते.

पैकेज्ड फूड

पैकेज्ड फूड्स चिप्स, कुकीज जैसी चीजों का सेवन सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है. इसलिए आप इन चीजों से बच्चों को बचाएं और घर पर बनी चीजों को ही उन्हें खाने के लिए दें.

फल

अपने बच्चे की डाइट में फलों को जरूर शामिल करें. एक दिन में कम से कम उनकी डाइट में 1 सीजनल फ्रूट जरूर शामिल करें.

पैकेज्ड जूस

पैकेज्ड जूस में केवल प्रिजर्वेटिव और चीनी होती है. इनका सेवन करने से बच्चे बीमार भी हो सकते हैं. इसलिए इनकी जगह ताजे फलों का जूस, नींबू पानी, नारियल पानी देना शुरू करें.

हरी सब्जियां

अपने बच्चे की डाइट में सीजनल सब्जियां और हरी सब्जियां जरूर शामिल करें. अगर वो इनको देखकर मुंह बनाते हैं तो आप क्रिएटिव तरीके से उनकी डाइट में हरी सब्जियों को शामिल करें.

8 सब का सपना हिंदी दैनिक

मनोरंजन

अमरोहा
मंगलवार 09 जून 2026
www.sabkasapna.com

हॉलीवुड स्टार से बेटी की तुलना पर खुश होती हैं महिमा चौधरी

महिमा चौधरी अपनी बेटी को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हो रही उन पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है, जिनमें उनकी बेटी एरियाना मुखर्जी की तुलना अमेरिकी एक्ट्रेस मिका अब्दुल्ला से की जा रही है। कई फैंस तो 'ऑफ कैंपस' की स्टार मिका को एरियाना की हमशक्ल भी कह रहे हैं। सोशल मीडिया पर एरियाना चौधरी और मिका अब्दुल्ला के बीच तुलना को लेकर खूब चर्चा है। मिका, प्राइम वीडियो की पॉपुलर सीरीज 'ऑफ कैंपस' में ऐली हेस का किरदार निभाती हैं। कई यूजर्स ने यह भी बताया कि मिका काफी हद तक महिमा चौधरी के जवानी के दिनों की तरह दिखती हैं।

एरियाना ने नहीं शुरू की एक्टिंग

इस वायरल ट्रेंड पर हंसते हुए महिमा ने बताया कि उनके दोस्त, परिवार और फैंस लगातार उन्हें इस हॉलीवुड एक्टर के क्लिप और स्क्रीनशॉट भेज रहे हैं। महिमा चौधरी ने हिंदुस्तान टाइम्स से कहा, 'हां, मुझे पता है। मुझे वह (एरियाना) बहुत पसंद है, वह कमाल की है। दो अलग-अलग महाद्वीपों के लोगों में इतनी जबरदस्त समानता कैसे हो सकती है? यह समानता इतनी ज्यादा चर्चा का विषय बन गई कि कुछ लोगों को तो यह भी लगने लगा कि एरियाना ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रख दिया है। मैंने उन्हें बताया कि उनसे अभी एक्टिंग नहीं शुरू की है।'

तुलना पर खुश हैं महिमा

महिमा ने कहा कि उन्हें ये तुलनाएं प्यारी लगती हैं। उन्होंने कहा 'किसी इतने प्यारे इंसान को देखना और यह सुनना कि आप दोनों एक जैसे दिखते हैं, बहुत अच्छा लगता है। मैं इस समानता से बहुत उत्साहित हूं क्योंकि मुझे वह बहुत प्यारी लगती है। अगर लोग कहते हैं कि मैं उसके जैसी दिखती हूं या एरियाना उसके जैसी दिखती है, तो मैं बहुत खुश होती हूं।

अल्फा किलर बनकर दुश्मनों का सफाया करेंगी आलिया भट्ट

यशराज फिल्म्स की आगामी स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा' को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। फिल्म में अभिनेत्री आलिया भट्ट एक स्पाई की भूमिका निभाती नजर आएंगी। प्रोडक्शन टीम के करीबी सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि अभिनेत्री आलिया भट्ट एक दमदार और घातक किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने कहा, 'वह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में 'अल्फा किलर' की भूमिका में दिखाई देंगी, जिसे केवल दुश्मनों का सफाया करने के लिए तैयार किया गया है और विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।' सूत्रों के मुताबिक, वाईआरएफ के प्रमुख आदित्य चोपड़ा इस बार दर्शकों के सामने एक बिल्कुल नया और आकर्षक नायक प्रस्तुत करना चाहते हैं, जिसे लोग उसके सही या गलत कार्यों के आधार पर न आंकें, बल्कि उसे ऐसे व्यक्ति के रूप में देखें जो अपनी शर्तों पर जीवन जीता है और वही करता है जो उसे सही लगता है।

सूत्रों ने बताया, 'आज के समय में नायक-नायिका को देखने का यह एक बिल्कुल नया नजरिया है, क्योंकि दर्शक पर्दे पर रोमांचक और मनोरंजक किरदार देखना चाहते हैं। 'अल्फा' में आलिया का किरदार भी कुछ ऐसा ही होगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'इस फिल्म के जरिए आदित्य चोपड़ा अपने स्पाई यूनिवर्स में एक बड़ा रचनात्मक बदलाव करने जा रहे हैं, जिसकी इस फ्रेंचाइजी को काफी समय से जरूरत थी। यह पहली बार होगा जब इस यूनिवर्स की कोई फिल्म पूरी तरह एक महिला प्रमुख किरदार के दमदार एक्शन और उसकी कहानी पर आधारित होगी।' वाईआरएफ के प्रवक्ता ने आईएएनएस से कहा, 'हम फिलहाल केवल इतना ही कह सकते हैं कि सभी को 'अल्फा' के पहले टीजर या झलक का इंतजार करना चाहिए। इस समय हम इन चर्चाओं की न तो पुष्टि कर सकते हैं और न ही इनसे इनकार कर सकते हैं।' यश राज फिल्म्स की बहुचर्चित स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला-प्रधान फिल्म 'अल्फा' में आलिया भट्ट के साथ शरवरी वाघ भी मुख्य भूमिका में हैं, जबकि बॉबी देओल इसमें मुख्य खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे।

आमिर खान की 'तारे जमीन पर' जैसा महसूस कराएगी फिल्म 'भमरदो'

आज के समय में क्षेत्रीय सिनेमा लगातार नई और अलग कहानियों के जरिए दर्शकों का ध्यान खींच रहा है। खास तौर पर गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में ऐसी फिल्मों की संख्या बढ़ रही है, जो समाज को एक मजबूत संदेश भी देती हैं। अब इसी कड़ी में एक नई गुजराती फिल्म 'भमरदो' चर्चा में बनी हुई है। फिल्म को लेकर अभिनेता हेतल पुनीवाला ने कई दिलचस्प बातें साझा की। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में उनका किरदार प्रेरणादायक है। हेतल पुनीवाला ने कहा, ''फिल्म में मेरा किरदार 'भमरदो' नाम की प्रतियोगिता के बारे में बच्चों को समझाता है। वह बताता है कि अगर कोई बच्चा इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करता है, तो उसे स्कॉलरशिप मिल सकती है। एक बच्चा ऐसा है, जो शुरुआत में इस खेल के बारे में कुछ नहीं जानता। उसे यह तक नहीं पता होता कि 'भमरदो' कैसे खेला जाता है। इसके बाद कहानी उस बच्चे के संघर्ष और मेहनत को दिखाती है कि कैसे वह बच्चा आर्थिक परेशानियों के बावजूद हार नहीं मानता और लगातार सीखते हुए प्रतियोगिता तक पहुंचने की कोशिश करता है।'' अपने किरदार के बारे में बात करते हुए हेतल ने कहा, 'शुरुआत में मुझे अंदाजा नहीं था कि यह रोल इतना भावुक होगा। फिल्म में कुछ ऐसे सीन्स हैं, जो दर्शकों को अंदर तक महसूस होंगे। इसमें वैसी ही भावनात्मक गहराई है, जैसी लोगों ने आमिर खान की 'तारे जमीन पर' जैसी फिल्मों में महसूस की थी।''

हेतल ने कहा, ''जब फिल्म की शूटिंग शुरू हुई थी, तब मुझे पूरी कहानी के बारे में जानकारी नहीं थी। मुझे सिर्फ अपने किरदार के बारे में बताया गया था। इस वजह से मैं शुरुआत में थोड़े भ्रम में था कि आखिर फिल्म किस तरह की होगी। शूटिंग के दौरान भी मुझे कहानी का पूरा अंदाजा नहीं था। जब बाद में मैंने पूरी फिल्म देखी, तो मुझे महसूस हुआ कि यह बहुत अच्छी और दिल को छू लेने वाली फिल्म है। मुझे यकीन है कि दर्शकों को यह कहानी जरूर पसंद आएगी।'' अभिनेता ने एक और दिलचस्प बात साझा करते हुए बताया कि वह लगभग इस फिल्म का हिस्सा बनने से रह गए थे। दरअसल, उनकी डेट्स किसी दूसरी शूटिंग के साथ टकरा रही थीं। इसी वजह से वह फिल्म करने को लेकर असमंजस में थे। तभी मशहूर शख्सियत बाबूभाई थेबा ने उन्हें फोन किया और इस किरदार के बारे में विस्तार से समझाया। हेतल ने कहा, ''मैं बाबूभाई पर बहुत भरोसा करता हूं। जब उन्होंने किरदार की अहमियत और कहानी की भावना को समझाया, तो मैंने तुरंत फिल्म के लिए हामी भर दी।'' फिल्म की शूटिंग का अनुभव भी अभिनेता के लिए आसान नहीं रहा। हेतल ने कहा, ''शूटिंग बेहद कठिन परिस्थितियों में हुई। इसके बावजूद पूरी टीम ने हिम्मत नहीं हारी और सभी ने मिलकर शूटिंग पूरी की।

'जिगरा' में मेथड एक्टिंग को लेकर फैली अफवाहों पर वेदांग रैना ने दी प्रतिक्रिया

वेदांग रैना जल्द ही इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में नजर आएंगे। अभिनेता इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में वेदांग रैना ने आलिया भट्ट के साथ अपनी फिल्म 'जिगरा' को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने फिल्म में मेथड एक्टिंग को लेकर फैली अफवाहों पर भी प्रतिक्रिया दी और इनके पीछे की सच्चाई से रूबरू कराया।

बढ़ा-चढ़ाकर बताई गईं बातें

हाल ही में कर्ली टेल्स के साथ बातचीत में वेदांग से उनकी पिछली फिल्म 'जिग्रा' की तैयारी के दौरान उनके मेथड एक्टिंग को लेकर फैली अफवाहों के बारे में पूछा गया। 'जिगरा' के एक सीन की तैयारी के दौरान खुद को आठ दिनों तक कमरे में बंद रखने की अफवाहों पर जवाब देते हुए वेदांग ने कहा कि ये दावे बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए हैं और सेट पर जो हुआ उससे बिल्कुल अलग हैं। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। अभिनेता ने स्पष्ट किया कि एक दिन शूटिंग के दौरान एक बेहद चुनौतीपूर्ण दिन था। अपनी एक्टिंग प्रोसेस को समझने के दौरान वेदांग ने खुद को अपनी वैनिटी वैन में अलग कर लिया, बत्तियां बंद कर दीं। इस दौरान सीन के लिए जरूरी इमोशनली कंडीशन में पहुंचने के लिए कुछ समय के लिए किसी से बातचीत भी नहीं की। हालांकि, मेथड एक्टिंग के तहत आठ दिनों तक खुद को बंद रखने की अफवाहें सच नहीं थीं। मैं ऐसा दोबारा कभी नहीं करूंगा।

बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं थी 'जिग्रा'

वासन बाला द्वारा निर्देशित 'जिगरा' एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। फिल्म में वेदांग रैना ने आलिया भट्ट के भाई की भूमिका निभाई थी। 2024 में रिलीज हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही थी।

12 जून को रिलीज होगी 'मैं वापस आऊंगा'

वेदांग अब इम्तियाज अली की 'मैं वापस आऊंगा' में नजर आएंगे। विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित इस प्रेम कहानी में वेदांग के साथ दिलजीत दोसांझ, शरवरी और नसीरुद्दीन शाह भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मिलाप जावेरी की रोमांटिक फिल्म 'तेरा यार हूं मैं' डेब्यू कर रहे हैं अमन इंद्र कुमार

पिछले साल 'एक दीवाने की दीवानियत' जैसी रोमांटिक फिल्म देने वाले निर्देशक मिलाप जावेरी अब एक और रोमांटिक फिल्म 'तेरा यार हूं मैं' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म से निर्देशक इंद्र कुमार के बेटे अमन इंद्र कुमार बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। फरवरी में जारी हुए फिल्म के फर्स्ट लुक के बाद अब फिल्म की नई रिलीज डेट सामने आ गई है। मेकर्स ने आज फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। फिल्म का एक पोस्टर जारी करते हुए मेकर्स ने ये कंफर्म किया कि 'तेरा यार हूं मैं' 31 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। इसके साथ ही कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, 'प्यार, दोस्ती, इमोशन और संगीत के लिए तैयार हो जाइए। तेरा यार हूं मैं 31 जुलाई को सिनेमाघरों में आ रही है।' इसके साथ ही मेकर्स ने कंफर्म किया कि फिल्म से इंद्र कुमार के बेटे अमन कुमार अपनी शुरुआत कर रहे हैं। उनके साथ आकांक्षा शर्मा इस प्यार, ड्रामा, कॉमेडी और एक्शन से भरपूर म्युजिकल लव स्टोरी में नजर आएंगी।

मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपनी पसंद चुनने की पूरी आजादी है

वेब सीरीज 'चिरैया' को लेकर चर्चा में आईं दिव्या दत्ता ने कहा- क्टरों के परिवार से होने के बावजूद हमेशा से पिक्चर साफ थी कि मुझे ऐक्टिंग इंडस्ट्री का रास्ता चुनना है। उन्होंने कहा- सबसे अहम सीख फिल्म वीर-जारा में शाहरुख खान के साथ काम करते हुए मिली।

कई कलाकार अपने किरदारों से पहचाने जाते हैं लेकिन दिव्या दत्ता उन चेहरों में से हैं, जो हर किरदार में खुद को थोड़ा-थोड़ा छोड़ती चली जाती हैं। लुधियाना की सादगी से लेकर सिनेमा की गहराइयों तक उनका सफर किसी शोर का नहीं बल्कि एक शांत भरोसे का रहा है, दिल की सुनने का भरोसा। उनके लिए अभिनय सिर्फ संवाद नहीं, खामोशियों को महसूस करने की कला है। फैसले हों या किरदार, वे आज भी उसी रास्ते पर चलती हैं, जहां दिमाग से पहले दिल जवाब देता है और शायद यही उन्हें अलग बनाता है। लखनऊ में शूट हुई वेब सीरीज 'चिरैया' के लिए शहर आई दिव्या दत्ता से खास बातचीत।

दिल से बड़ा मेरा कोई साथी नहीं

लुधियाना में पली-बढ़ी दिव्या दत्ता कहती हैं कि मैंने अपने घर से बहुत कुछ सीखा है लेकिन कई बातें वक्त के साथ समझ में आती हैं। फिल्मों और शोज को चुनते समय मैं सिर्फ दिल की सुनती हूं। मुझे लगता है कि जो काम मैं दिल से करूंगी, वही मुझे आगे बढ़ने का मौका देगा। मेरे फैसले पहले भी दिल से होते थे और आज भी वही तरीका है क्योंकि दिल से बड़ा कोई साथी नहीं होता है। यही वजह है कि डॉक्टरों के परिवार से होने के बावजूद हमेशा से पिक्चर साफ थी कि मुझे ऐक्टिंग इंडस्ट्री का रास्ता चुनना है। मैं खुद को खुशकिस्मत भी मानती हूं कि मां ने मुझे अपनी पसंद चुनने की पूरी आजादी दी थी।

माहौल इंसानी और सम्मानजनक हो

मैंने कई अनुभवी कलाकारों के साथ काम करते हुए बहुत कुछ सीखा है। हालांकि, मुझे सबसे अहम सीख फिल्म वीर-जारा में शाहरुख खान के साथ काम करते हुए मिली। उस वक्त मुझे कैमरा एंगल्स का ज्यादा आइडिया नहीं था। उन्होंने खुद मुझे सही जगह पर खड़े होने में मदद की। वह इतने बड़े सुपरस्टार हैं, उन्हें क्या जरूरत थी मेरे लिए आगे आने की पर वो आए। उन्होंने यह भी कहा था कि मैं हर जगह मौजूद नहीं रहूंगा तो तुम्हें चीजें अपने हिसाब से बेहतर करनी होंगी। मुझे यह बात हमेशा याद रही। आज अगर मैं सीनियर हो गई हूं तो कोशिश करती हूं कि नए लोगों की जितनी मदद कर सकूं, करूं। सबसे जरूरी बात यही है कि सेट पर लोग एक-दूसरे के साथ कंफर्टेबल महसूस करें। काम तभी अच्छे से होता है, जब माहौल इंसानी और सम्मानजनक हो।

भीतर का शांत जागरण है

चिरैया किसी लाउड विद्रोह की कहानी नहीं है बल्कि भीतर होने वाले एक शांत जागरण की बात करती है। हर दृश्य का अपना स्वभाव होता है। कभी कुछ कहना जरूरी होता है और कभी बिल्कुल शांत रहना। सब कुछ सीन के पूरे ढांचे पर निर्भर करता है। जैसे सीन की मांग होती है, वैसा ही भाव अपनाया जाता है। कहीं शब्द जरूरी होते हैं, कहीं खामोशी ही सबसे बड़ा संवाद बन जाती है। मुझे लगता है कि सवाल से ज्यादा जरूरी है उसे कहने का तरीका।बात किस शांति से, किस प्यार से और किस सम्मान के साथ कही जाती है, यही फर्क पैदा करता है। 'शादी कोई लाइसेंस नहीं है' जैसे संवाद सवाल जरूर उठाते हैं, लेकिन किसी को नीचा दिखाने के लिए नहीं बल्कि सोचने के लिए मजबूर करने के इरादे से।

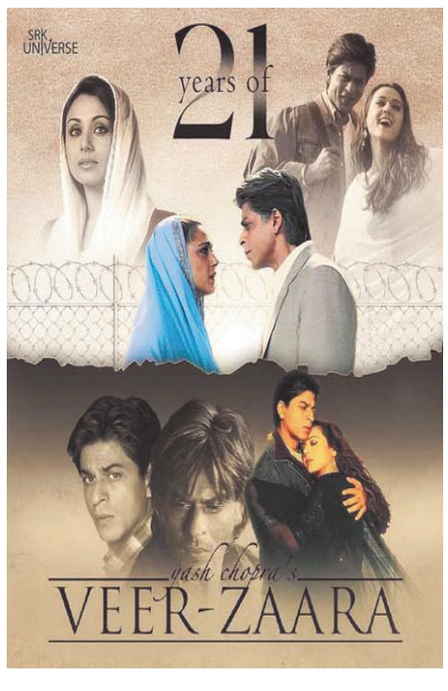

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।